RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, गुरुवार ●21 मार्च , 2024 वर्षः-11 अंक - 323 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

भोपाल के 200 सेक्टर अधिकारियों को चुनावी ट्रेनिंग

लोकसभा चुनाव के लिए 3 सत्र में ट्रेनिंग, वोटिंग-काउंटिंग से जुड़ी हर बारीकी समझा रहे

भोपाल। लोकसभा चुनाव के चलते भोपाल के करीब 200 सेक्टर अधिकारियों को बुधवार को चुनाव से जुड़ी हर बारीकी समझाई जाएगी। समन्वय भवन में 3 सत्रों में ट्रेनिंग चल रही है। आखिरी सत्र में उनकी परीक्षा भी ली जाएगी। ट्रेनिंग शाम 5 बजे तक चलेगी। दोपहर 3 बजे तक उन्हें सैद्धांतिक प्रशिक्षण, दोपहर 3 से शाम 4 बजे तक ईवीएम हैंडसऑन और इसके बाद परीक्षा ली जाएगी। ट्रेनिंग के दौरान कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज सिंह, नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण भी मौजूद रहे। मास्टर ट्रेनर्स डॉ. संजय दीक्षित, डॉ. आरके शर्मा और डॉ. संतोष भार्गव ने सेक्टर अधिकारियों को ट्रेनिंग दी। भोपाल लोकसभा सीट के लिए कुल 2363 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। प्रत्येक पोलिंग बूथ पर 4 कर्मचारी तैनात होंगे। इस हिसाब से 10 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगेगी। इन्हें चुनाव की हर बारीकी बताई जाएगी। इसलिए ट्रेनिंग शेड्यूल तय किया गया है। सबसे पहले बुधवार को सेक्टर अधिकारियों की ट्रेनिंग हो रही है। भोपाल लोकसभा सीट में कुल 8 विधानसभाएं हैं। इनमें भोपाल जिले की नरेला, हुजूर, गोविंदपुरा, दक्षिण-पश्चिम, उत्तर, मध्य और बैरसिया, जबकि सीहोर जिले की सीहोर विधानसभा शामिल हैं। सीहोर विधानसभा के लिए अधिकारी-कर्मचारियों को सीहोर में ही ट्रेनिंग दी जाएगी।

21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों पर नामांकन शुरू

इसमें तमिलनाडु की 39, राजस्थान की 12 और मध्य प्रदेश की 6 सीटें शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों के लिए बुधवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए चुनाव आयोग ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। इन 102 सीटों में तमिलनाडु की 39, राजस्थान की 12 और मध्य प्रदेश की 6 सीटें शामिल हैं। चुनाव आयोग ने 16 मार्च को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था। चुनाव आयोग की नोटिफिकेशन के मुताबिक, नॉमिनेशन फाइल करने की आखिरी तारीख 27 मार्च है। वहीं, नॉमिनेशन पेपर्स की स्क्रूटनी 28 मार्च को होगी। नामांकन वापस लेने की आखिरी डेट 30 मार्च निर्धारित की गई है। बिहार में त्योहार के चलते शेड्यूल में बदलाव किया गया है। यहां नॉमिनेशन की आखिरी तारीख 28 मार्च निर्धारित की गई है। स्क्रूटनी 30 मार्च को होगी। बिहार के कैंडीडेट अपना नाम 2 अप्रैल तक वापस ले सकेंगे। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में महाराष्ट्र की पांच सीटों पर चुनाव होंगे।

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता बिल्डिंग हादसे में अब तक 10 की मौत

17 लोग घायल, 2 लोग अब भी लापता, कांग्रेस बोली- मेयर की गिरफ्तारी हो

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में 17 मार्च की देर रात एक 5 मंजिला निर्माणाधीन इमारत ढह गई थी। यहां पिछले तीन दिनों से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मंगलवार रात 8 बजे यहां एक व्यक्ति का रेस्क्यू किया गया था। पुलिस के मुताबिक, उसे हॉस्पिटल ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस तरह मौत का आंकड़ा 10 पहुंच गया है। मृतक मुर्शिदाबाद का रहने वाला राजमिस्त्री था। वह निर्माणाधीन बिल्डिंग में काम करता था। घटना के बाद दो लोग लापता बताए जा रहे हैं। 17 लोग घायल हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, कोलकाता पुलिस की डिजास्टर मैनेजमेंट टीमें रेस्क्यू में लगी हैं। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल का इलाका भीड़भाड़ वाला है। यहां संकरी गलियां हैं, जिसके कारण कंक्रीट स्लैब काटने के लिए बड़ी मशीनें नहीं आ पा रही हैं। छोटी मशीनों की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। जिस जमीन पर 5 मंजिला बिल्डिंग खड़ी की जा रही थी, उसके मालिक को मंगलवार रात गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले पुलिस ने सोमवार को बिल्डर को गिरफ्तार किया था। उसे 14 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा गया है। आरोप है बिल्डिंग का निर्माण अवैध तरीके से कराया जा रहा था। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने इस हादसे के लिए कोलकाता मेयर को जिम्मेदार बताया।

मूसेवाला की मां की प्रेग्नेंसी पर केंद्र ने मांगी रिपोर्ट

आईवीएफ में 50 की ऐज-लिमिट, चरण कौर की उम्र 58 साल, पंजाब सीएम पर बरसे सिद्धू के पिता

लुधियाना (एजेंसी)। दिवंगत पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की मां ने आईवीएफ तकनीक के जरिए 2 दिन पहले बच्चे को जन्म दे दिया है। इसी दौरान केंद्र सरकार ने एक लेटर जारी कर सिद्धू की मां चरण कौर की प्रेग्नेंसी की रिपोर्ट मांगी है। लेटर में असिस्टेड रीप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी एक्ट का हवाला देकर बताया गया है कि आईवीएफ तकनीक से गर्भ धारण कर बच्चा पैदा करने के लिए किसी भी महिला की उम्र 21 से 50 साल के

बीच होनी चाहिए लेकिन, सिद्धू की मां ने 58 की उम्र में इस तकनीक से प्रेग्नेंट होकर बच्चे को जन्म दिया है। केंद्र ने इसी नियम के उल्लंघन पर जांच के बाद ऐक्शन के आदेश दिए हैं। इधर, सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने पंजाब सरकार और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मंगलवार देर रात सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर बलकौर सिंह ने कहा कि प्रशासन बच्चे के लीगल डॉक्यूमेंट्स पेश करने को लेकर बार-बार परेशान कर रहा है। सीएम मान उन्हें जेल भेजकर जांच करा सकते हैं। बलकौर ने कहा कि उनका ट्रीटमेंट पूरा होने दिया जाए।

भारत में रोहिंग्या घुसपैठियों को बसने का कोई अधिकार नहीं

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दे दिया कड़ा जवाब, लगाई गई थी याचिका

रोहिंग्याओं को तिब्बती व श्रीलंकाई शरणार्थियों के समान नहीं मान सकते: केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से साफ कह दिया है कि अवैध तरीके से भारत में घुसपैठ करने वाले रोंहिग्या मुसलमानों को यहां बसने का कोई मौलिक अधिकार नहीं है। इतना ही नहीं केंद्र ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के अधिकारों की एक सीमा है और वो उस हद को पार करके संसद की शक्तियों को कमतर नहीं कर सकता है। केंद्र सरकार ने कहा कि न्यायपालिका को संसद और कार्यपालिका के विधायी और नीतिगत क्षेत्रों में प्रवेश करके अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वालों को शरणार्थी का दर्जा देने के लिए एक अलग कैटिगरी बनाने का कोई अधिकार नहीं है। सरकार ने अपने हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट के ही कई फैसलों का हवाला दिया। केंद्र ने कहा कि एक विदेशी को केवल संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है। उसे देश में रहने और बसने का अधिकार नहीं है। यह अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को ही उपलब्ध है। सरकार ने कहा कि भारत यूएनएचसीआर शरणार्थी कार्ड को मान्यता नहीं देता है, जिसे कुछ रोहिंग्या मुसलमानों ने यह सोचकर हासिल कर लिया है कि इस आधार पर वो भारत में शरणार्थी का दर्जा पा लेंगे। सरकार ने कहा कि भारत पहले से ही बड़ी संख्या में बांग्लादेशियों की घुसपैठ की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। बांग्लादेशी घुसपैठियों ने कुछ सीमावर्ती राज्यों (असम और पश्चिम बंगाल) की डेमोग्राफी ही बदल दी है। सरकार ने कहा,भारत में रोहिंग्या के अवैध प्रवास और उनके भारत में रहने की अनुमति देना सिर्फ गैर-कानूनी ही नहीं बल्कि सुरक्षा के लिहाज से बहुत गंभीर खतरे का मामला भी है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप बाजार: पीएम मोदी

- कहा-इसे हमारे देश के युवा लीड कर रहे; स्टार्टअप महाकुंभ में 2000 से ज्यादा स्टार्टअप शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को भारत मंडपम में आयोजित स्टार्टअप महाकुंभ में भाग लिया। इस दौरान पीएम ने स्टार्टअप की ओर से लगाई गई प्रोडक्ट्स और इनोवेशन प्रदर्शनी को देखा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप बाजार है, जिसे हमारे देश के युवा लीड कर रहे हैं।

अब हम नई तकनीक से जुड़े एक नए युग में हैं। मोदी ने कहा, मैं एआई की काफी मदद लेता हूं, जब चुनावी अभियान में भाषा की दिक्कत आती है, तो मैं एआई का सहारा लेकर हर भाषा में लोगों तक अपनी बात पहुंचाता हूं। स्टार्टअप महाकुंभ, भारत का सबसे बड़ा और अपनी तरह का पहला स्टार्टअप आयोजन है। इसमें देशभर के 2000 से ज्यादा स्टार्टअप, 1000 से ज्यादा इन्वेस्टर, 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न, 300 से अधिक इनक्यूबेटर और एक्सेलेरेटर अपने आइडियाज के साथ शामिल हो रहे हैं।

इसके अलावा, 3000 से ज्यादा सम्मेलन प्रतिनिधि, 10 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधिमंडल, 3000 से ज्यादा भविष्य के उद्यमी और 50,000 से ज्यादा कॉमर्शियल विजिटर्स ने भाग लिया है। भारत का स्टार्टअप ईकोसिस्टम अभूतपूर्व रेट से बढ़ रहा है। देश ने स्टार्टअप इंडिया अभियान के तहत इनोवेटिव आइडियाज को एक प्लेटफॉर्म दिया, उन्हें फंडिंग के सोर्स से कनेक्ट किया गया। हमारा स्टार्टअप ईकोसिस्टम केवल बड़े मेट्रो शहर तक सीमित नहीं है। भारत की स्टार्टअप क्रांति का नेतृत्व देश के छोटे शहरों के युवा कर रहे हैं। भारत में 1.25 लाख से ज्यादा स्टार्टअप मौजूद हैं। इनमें से 110 यूनिकॉर्न बन चुके हैं। हर क्षेत्र में नौजवान आइडिया लेकर आते हैं।

सीधी से राजेश मिश्र, शहडोल से हिमाद्री ने भरा पर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी पहुंचे, एमपी की 6 लोकसभा सीटों के लिए नामांकन शुरू

भोपाल। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए बुधवार से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मध्यप्रदेश में सीधी लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी डॉ. राजेश मिश्र और शहडोल सीट से भाजपा प्रत्याशी हिमाद्री सिंह ने अपना नामांकन दाखिल किया। सीधी में बीजेपी प्रत्याशी डॉ. राजेश मिश्र के नामांकन के दौरान सीएम डॉ. मोहन यादव, डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल और कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल मौजूद रहे। वहीं शहडोल हिमाद्री सिंह के साथ मंत्री दिलीप जायसवाल, पूर्व मंत्री बिसाहू लाल सिंह और बीजेपी पदाधिकारी मौजूद रहे। 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान होगा। पहले चरण में मध्यप्रदेश की 6 लोकसभा सीटों छिंदवाड़ा, जबलपुर, मंडला, सीधी, शहडोल और बालाघाट पर भी वोटिंग होगी। इस छह सीटों में 4 सामान्य सीट हैं, जबकि दो सीट मंडला और बालाघाट आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित हैं। सीधी में भाजपा प्रत्याशी के नामांकन के पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा- सीधी में हमारा जोरदार शुभारंभ हो रहा है। भाजपा का प्रत्याशी भगवान श्रीराम का आशीर्वाद लेकर प्रदेश का पहला नामांकन भरने वाला प्रत्याशी बना है। वहीं कांग्रेस का प्रत्याशी अभी चुनावी मैदान में नहीं आया। सीएम ने कहा- पूत के पांव पालने में ही दिखाई देते हैं, अभी से कांग्रेस की ये हालात है। प्रदेश में 29 लोकसभा की सीट है, लेकिन कांग्रेस में बड़े से बड़े नेता, कोई भी चुनाव लड़ने को तैयार नहीं। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने पद यात्रा निकाली। जहां-जहां से यात्रा निकली, लोग कहते हैं कांग्रेस छोड़ो यात्रा थी। वो जहां-जहां गए वहां से लोग कांग्रेस छोड़ते चले गए। जिस रास्ते से कांग्रेस के नेता गए, उस रास्ते में आगे-आगे भाई साहब पीछे-पीछे फुल स्टॉप। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का नेतृत्व... लगातार दो बार सरकार बनाने के बाद अब तीसरी बार के लिए उनके कदम बढ़ रहे हैं। ये वो नहीं कह रहे हैं, लोकसभा में कांग्रेस के अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यक्ष बोलते हैं। हमारा नारा कांग्रेस वाले बोल रहे हैं कि अबकी बार 400 पार। सीधी की सभा में कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष लाल चंद गुप्ता ने 150 कार्यकर्ताओं के साथ बीजेपी जॉइन कर ली। शहडोल सीट से भाजपा प्रत्याशी हिमाद्री सिंह ने अनूपपुर जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अपना पर्चा दाखिल किया। हिमाद्री सिंह शहडोल सीट मौजूदा सांसद हैं। बीजेपी ने इन्हें दोबारा अपना प्रत्याशी बनाया है। छिंदवाड़ा, जबलपुर, मंडला, सीधी, शहडोल और बालाघाट में भाजपा ने कैंडीडेट घोषित कर दिए हैं।

खरगोन और धार सीट में जेंडर रेश्यो में नहीं बचा ज्यादा अंतर

आदिवासी बाहुल्य बालाघाट और मंडला लोकसभा में पुरुषों से अधिक हैं महिला वोटर

भोपाल। चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण में नामांकन और वोटिंग के लिए नामांकित किए गए आदिवासी बाहुल्य बालाघाट और मंडला लोकसभा सीट में महिला वोटर्स की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक है। बालाघाट लोकसभा क्षेत्र तो जेंडर रेश्यो के मामले में प्रदेश के सभी लोकसभा क्षेत्रों पर भारी है। यहां एक हजार पुरुष वोटर्स पर 1014 महिला वोटर हैं। इसी तरह जेंडर रेश्यो के मामले में खरगोन और धार लोकसभा सीट में भी ज्यादा अंतर नहीं है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन द्वारा लोकसभा क्षेत्रवार मतदाताओं की संख्या की जानकारी देने के बाद यह तथ्य सामने आए हैं। सभी 29 लोकसभा सीट पर प्रत्याशियों की संख्या की पड़ताल से पता चलता है कि बालाघाट में पुरुष वोटर्स के मुकाबले 12382 महिला वोटर ज्यादा हैं। इसी तरह मंडला लोकसभा सीट पर पुरुषों के मुकाबले 834 महिला वोटर अधिक हैं।

बिहार में एनडीए को 'पटखनी' देने की तैयारी में लालू

पूर्व सीएम ने सेट किया 'बी-के' और 'आर-के' वाला फॉर्मूला

पटना (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर इंडिया गठबंधन सीट शेयरिंग के मामले में उलझती जा रही है। कई ऐसे नीतिगत निर्णय तो है ही, साथ ही कई ऐसी सीटें हैं, जहां कई दलों की दावेदारी परवान पर है। कहा जा रहा है कि बिहार में हर तरह के फैसले के लिए राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को अधिकृत कर दिया गया है। वह भी इस हिदायत के साथ कि शाम 6 बजे तक महागठबंधन के साथी दल अपने मंतव्य से वाकिफ करा दें। इसके बाद ही महागठबंधन में सीट शेयरिंग को अंजाम दिया जाएगा। इंडिया गठबंधन के दलों के बीच सामंजस्य स्थापित करने में कई पेच हैं। इंडिया गठबंधन के रणनीतिकार खासकर मुकेश सहनी और पप्पू यादव के

फैसले का इंतजार कर रहे हैं। राजद के भीतरी सूत्रों की माने तो लालू प्रसाद यादव ने साफ कह दिया है कि पप्पू यादव या फिर मुकेश सहनी, चाहें तो राष्ट्रीय जनता दल में या कांग्रेस में मर्ज कर जाएं।

कटिहार, पूर्णिया और बेगूसराय को लेकर भी पेच फंसा!

जानकारी के अनुसार कांग्रेस कन्हैया कुमार को बेगूसराय से लड़ाने के पक्ष में हैं। राजद का मानना है कि बेगूसराय में राजद रनर रहा है। कन्हैया तो तीसरे स्थान पर थे, इसलिए दावा राजद का बनता है। कटिहार को लेकर कांग्रेस अड़ी हुई है। कांग्रेस तारिक अनवर के लिए यह सीट चाहती है। तारिक अनवर यहां से सांसद भी रहे हैं। पर कटिहार से जदयू के सांसद हैं, इसलिए आरजेडी के उम्मीदवार बनाया जाए। पूर्णियां सीट भी कांग्रेस चाहती है। यहां से पप्पू यादव भी चुनाव लड़ना चाहते हैं।

केजरीवाल की याचिका पर हाईकोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

- सीएम ने समन को चुनौती दी थी; कोर्ट ने पूछा-आप पेश क्यों नहीं होते

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बार-बार समन भेजे जाने पर बुधवार को एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) को तलब किया। कोर्ट ने श्वष्ठ को अपना पक्ष रखने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है। जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस मनोज जैन की अध्यक्षता वाली बेंच ने केजरीवाल के वकीलों से भी पूछा- आप (केजरीवाल) ईडी के सामने पेश क्यों नहीं होते। आप देश के नागरिक हैं, समन सिर्फ नाम के लिए है।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, गुरुवार 21 मार्च , 2024

आचार-संहिता में जनता से लेकर अफसर-कर्मचारियों पर कई पाबंदियां

नर्मदापुरम (निप्र)। लोकसभा चुनाव की तारीख तय होते ही तीन दिनों से आचार संहिता के लागू हो गई है। आचार संहिता के चलते जिले में कई प्रकार की पाबंदियां लग गई है। आम जनता से लेकर नेता, जनप्रतिनिधियों और सरकारी अफसर, कर्मचारियों पर अलग-अलग प्रकार की पाबंदियां लागू हो गई है। होटल-धर्मशाला में ठहरने वाले लोगों की रोजाना पुलिस थाने या कार्यपालिक दंडाधिकारी को देना होगा। वहीं सभी सरकारी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश पर रोक लगा दी है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने आदेश में यह स्पष्ट किया है कि समस्त कार्यालय प्रमुख यह करें कि उनके अधीनस्थ अधिकारी/कर्मचारी भी बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति प्राप्त किए अवकाश पर नहीं जाए। साथ ही कार्यालय प्रमुख अपने कार्यालय में एक निर्वाचन कार्य प्रकोष्ठ स्थापित कर कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारियों की तैनाती करें। जो अवकाश के दिन भी खुलेंगे। आदेश की अवहेलना पाई जाने पर संबंधित के विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। आचार संहिता के चलते कलेक्टर ने सभी सर्वसंबंधितों व धर्मशालाओं, होटल एवं लॉज संचालकों को निर्देश दिए कि वे सराय अधिनियम का पालन करना करें।

लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक संपन्न

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य की अध्यक्षता में आज लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में कलेक्टर द्वारा लोक सभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर जिले में की जा रही तैयारी की समीक्षा की। कलेक्टर श्री वैद्य ने बैठक में मौजूद जिलाधिकारियों व वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े एसडीएमों व खंड स्तरीय अधिकारियों से संवाद कर दिशा निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि विदिशा जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़े इस हेतु स्वीप गतिविधियों का आयोजन किया जाए। जिन क्षेत्रों में पिछले लोकसभा निर्वाचन में कम मतदान हुआ था वहां जन जागरूकता हेतु विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित कर मतदाताओं को मतदान करने के लिए अभिप्रेरित करें।

उन्होंने कहा कि मतदाताओं को सुविधाएं उपलब्ध कराएं मतदान केंद्रों पर ठंडा पानी, धूप से बचाव हेतु छाया तथा बैठने हेतु पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें। इसके साथ ही मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु धार्मिक, सामाजिक संगठनों को भी मतदाता जागरूकता हेतु आयोजित गतिविधियों में शामिल करें ताकि यह जिला सर्वाधिक मतदान वाला जिला बने इस हेतु नवाचार करें। जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट ने कहा कि विधानसभा स्तर पर स्वीप गतिविधि आयोजित करने के लिए स्वीप पार्टनर और स्वीप आइकॉन की बैठकें आयोजित करें। स्कूल, कॉलेज में जन जागरूकता रैली, दिखावटी मतदान के माध्यम से मतदाता जागरूकता का संदेश प्रसारित करें। साथ-साथ पेट्रोल पंप, ऑटो रिक्शा, स्टेशन, बैंक में मतदाता जागरूकता के संदेश प्रसारित करने वाले बैनर पोस्टर लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि मतदाता जागरूकता हेतु सप्ताह भर में एक बड़ी गतिविधि का आयोजन भी करें। प्रति शनिवार को इस प्रकार की गतिविधि आयोजित करें। जिसके तहत आगामी शनिवार को जिला स्तर पर भी स्पोर्ट्स गतिविधि आयोजित की जाएगी।

जिला पंचायत सीईओ डॉ भरसट ने बताया कि स्वीप गतिविधि के तहत जिले में साइकिल रैली, मैराथन 5 किलोमीटर, कार, बाइक रैली, पैदल मार्च, ट्रैक्टर रैली, दिव्यांग रैली का आयोजन के साथ-साथ डोर टू डोर कैंपेन के अलावा मेला इत्यादि स्थलों पर भी मतदाता जागरूकता के संदेशों का प्रसारण किया जाएगा। बैठक में सिरोंज एसडीएम श्री हर्षल चैधरी ने लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत स्वीप गतिविधि के लिए बनाया गया प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया।

कलेक्ट्रेट के बेतवा सभाकक्ष में आयोजित उक्त बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा समेत विभिन्न विभागों को जिलाधिकारी मौजूद रहे जबकि खंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े रहे।

भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाने वाली कांग्रेस अपना अस्तित्व खो रही - विश्वास सारंग

मंत्री विश्वास सारंग और लोकसभा प्रत्याशी आलोक शर्मा ने नरेला विधानसभा में भोपाल लोकसभा चुनाव कार्यालय का किया उद्घाटन

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी लगातार चुनावी मोड पर आगे बढ़ती जा रही है। इसी बीच मंगलवार को नरेला विधानसभा में मंत्री विश्वास सारंग ने भोपाल लोकसभा चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि हम बड़े ही सौभाग्यशाली हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमें काम करने का अवसर मिला है। आजादी के बाद वर्षों बरस में जो कार्य नहीं हो पाए वे प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में संपन्न हुए हैं। आज धारा 370 खत्म होने के बाद कोई आतंकवादी बॉर्डर क्रॉस करके हमारे देश में नहीं आ पा रहा है। भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाने वाली कांग्रेस पार्टी अपना अस्तित्व खो रही है। आतंकवाद, अलगाववाद, क्षेत्रवाद, नक्सलवाद जैसी समस्याएं खत्म हो गई। यही नहीं विदेशों में भी हमारी धाक बढ़ गई है। प्रधानमंत्री ने न खाऊंगा न खाने दूंगा और सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास मूल मंत्र के साथ जिस तरह से देश की बागडोर को आगे बढ़ने का काम किया है, हम भारतवासियों के लिए यह बड़े ही गर्व की बात है। भगवान राम का भव्य और दिव्य मन्दिर बनने के बाद प्रभु श्री राम उसमें बिराजमान हो गए हैं। कांग्रेस ने राम को नकार दिया। राम के खिलाफ कोर्ट में हलफनामा दिया। कांग्रेस ने कहा कि राम का अस्तित्व नहीं है। अब राम की कृपा से कांग्रेस का ही अस्तित्व समाप्त होने वाला है। लोकसभा चुनाव को लेकर हमारे सभी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। इस बार भारतीय जनता पार्टी जनता की ओर से आए नारे के साथ 400 से ज्यादा सीटें जीतकर इतिहास बनाएगी।

हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाने के लिए घर-घर संपर्क करें कार्यकर्ता

भोपाल लोकसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी आलोक शर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सभी कार्यकर्ता हर बूथ पर पार्टी के पक्ष में 370 नए वोट जोड़ने के लिए घर-घर संपर्क करें। मैं आपके ही बीच का एक साधारण सा कार्यकर्ता हूं। मैं संगठन की रीति-नीति और सिद्धांतों पर काम करके ही आगे बढ़ा हूं। पार्टी ने मुझे प्रत्याशी बनाया है। मैं पार्टी की रीति नीतियों पर चलकर आपके बीच काम करके आपकी सेवा करना चाहता हूं। आप सभी वर्षों से पार्टी के मजबूत सिपाही हैं। केंद्र और राज्य की जनकल्याण की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। मतदाताओं को भाजपा के समर्थन में लाने और 370 वोट अतिरिक्त दिलाने घर-घर संपर्क करेंगे। आपकी मेहनत से ही पार्टी का संकल्प पूरा होगा। हमें विश्वास है

कि आपकी मेहनत में कोई कमी नहीं रहेगी और भोपाल में पिछले सभी रिकार्ड तोड़ते हुए इस बार भाजपा की ऐतिहासिक जीत होगी।

जिला, विकासखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएं

हरदा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन के लिए आगामी 26 अप्रैल को जिले में मतदान संपन्न होगा। इससे पूर्व जिले की सभी ग्राम पंचायतों एवं शहरी क्षेत्र में मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएं। मतदाता जागरूकता गतिविधियों के लिए जिला विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर अलग-अलग कार्य योजना बनाकर प्रतिदिन कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। यह निर्देश जिला पंचायत के सीईओ तथा स्वीप के नोडल अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभा कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय स्वीप समिति की बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान जिन क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत कम रहा था, वहां मतदाता जागरूकता गतिविधियों के मामले में विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नुक्कड़ नाटक, मानव श्रृंखला, सेल्फी और शपथ ग्रहण जैसे कार्यक्रम आयोजित कर मतदाताओं को इन कार्यक्रमों से जोड़ें तथा उन्हें आगामी 26 अप्रैल को लोकसभा निर्वाचन के लिए मतदान करने के लिए प्रेरित करें। जिला पंचायत के सीईओ श्री सिसोनिया ने बैठक में निर्देश दिए कि महाविद्यालय एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के 18 वर्ष से अधिक आयु के जिन विद्यार्थियों के नाम छूट गए हैं उनके नाम मतदाता सूची में जोड़ने की तुरंत कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि नए मतदाताओं को फोटो युक्त परिचय पत्र वितरित किए जाएं । उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में विकासखंड स्तरीय स्वीप समिति की बैठक जरूर लें, और उन्हें मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के लिए प्रेरित करें। सीईओ श्री सिसोनिया ने बैठक में निर्देश दिए कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर मतदाताओं को पीले चावल देकर मतदान के लिए आमंत्रित करें। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर मतदान के लिए आने वाले दिव्यांग और वृद्ध मतदाताओं का माल्यार्पण कर मतदान केंद्रों पर स्वागत करें।

संक्षिप्त समाचार

शारीरिक दक्षता परीक्षण प्रारंभ

सीहोर (निप्र)। शासकीय विद्यालय में अध्यनरत 8 से 11 वर्ष आयु तक के विद्यार्थियों के लिए वैज्ञानिक तरीके से शारीरिक दक्षता परीक्षण जिले में 23 मार्च तक किया जा रहा है । विद्यार्थियों का वैज्ञानिक तरीके से शारीरिक दक्षता परीक्षण शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान, मॉडल स्कूल आष्टा , शासकीय कन्या विद्यालय भैरूंदा में किया जा रहा है । जिससे भविष्य में उनकी रुचि ,शारीरिक क्षमता अनुसार खेलों में प्रशिक्षित किया जा सके । जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय सिंह तोमर नेजिले के सभी प्राथमिक माध्यमिक शालाओं के प्रधान अध्यापकों को अधिक से अधिक विद्यार्थियों को परीक्षण शिविर में समिलित करने के लिए निर्देश दिया है । अधिक जानकारी के लिए प्रभारी डीएसओ श्री अताउल्लाह खान ने संपर्क किया जा सकता है ।

नर्मदापुरम में दो अपराधियों को किया जिलाबदर

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोनिया मीना ने जिले के दो आदतन अपराधियों को नर्मदापुरम जिले से एक साल के लिए जिलाबदर किया। जिलाबदर अपराधी नर्मदापुरम जिले व उससे लगे सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमा से 1 वर्ष के लिए निष्कासित रहेंगे। कलेक्टर ने मप्र राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत उक्त आदेश जारी किए हैं। जिलाबदर अपराधियों में दीपक कहार पिता हरप्रसाद कहार(24) पिपरिया और टीकाराम उर्फ भूरी पिता छोटेलाल (30) बालागंज नर्मदापुरम का रहने वाला है। जिनके के द्वारा बार-बार अपराध किए जा रहे थे। आपराधिक रिकार्ड के आधार पर कलेक्टर ने 1 वर्ष के लिए जिलाबदर करने का आदेश जारी किया है।

मतदान की शपथ दिलाई गई

हरदा (निप्र)। आगामी 26 अप्रैल को लोकसभा निर्वाचन के लिए मतदान होगा । इससे पूर्व जिले में मतदाता जागरूकता गतिविधियां प्रारंभ कर दी गई हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आदित्य सिंह ने मतदाताओं से अपील की है कि वे लोकसभा निर्वाचन के लिए 26 अप्रैल को अवश्य मतदान करें। मंगलवार को जिला पंचायत के सभा कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय स्वीप समिति की बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नोडल अधिकारी स्वीप श्री रोहित सिसोनिया ने स्वीप समिति के सदस्यों को मतदान की शपथ दिलाई।

ईवीएम एवं वीवीपेट का प्रथम रेंडमाइजेशन 21 मार्च को होगा

हरदा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए ईवीएम एवं वीवीपेट का प्रथम रेंडमाइजेशन आगामी 21 मार्च को प्रातः 10 बजे से होगा। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि रेंडमाइजेशन के दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। रेंडमाइजेशन की यह कार्यवाही कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न होगी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का जायजा

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने मंगलवार को कुरवाई प्रवास के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री वैद्य ने कुरवाई के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पहुंचकर दवा वितरण, जनरल वार्ड, प्रसूति गृह और ई कोल्ड चैन कक्ष में किए गए प्रबंधो का जायजा लिया साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं के परिपेक्ष्य में क्रियान्वित बिन्दुओं की पूछताछ कर क्रास मानिटरिंग की है। यहां उन्होंने चिकित्सकों से कहा कि मरीजो को समय पर इलाज मिले यह सम्पूर्ण स्वास्थ्य विभाग की जबावदारी है और हम इस जबावदारी से वंचित ना रहे। उन्होंने अन्य स्टाफ को भी मरीजो से बेहतर मधुर व्यवहार करने, दवाईयों का समय पर वितरण करने साथ ही आवश्यक रिकार्ड हेतु संधारित पंजियो में सभी अपडेट जानकारियां दर्ज करने के निर्देश दिए है। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट मौजूद रहे।।

31 जुलाई 2024 तक लागू रहेगा

हरदा जिला जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित-नलकूप व हैंडपंप खनन पर लगा प्रतिबंध

हरदा(निप्र)। ग्रीष्म ऋतु में भूजल स्तर कम होने की संभावना को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर आदित्य सिंह ने हरदा जिले को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित कर दिया है। लमध्य प्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम के तहत जारी यह आदेश 31 जुलाई 2024 तक लागू रहेगा। जारी आदेश अनुसार, हरदा जिले में हैंडपंप एवं नलकूप खनन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के अब कोई भी व्यक्ति अपने निजी उपयोग के लिए हैंडपंप व नलकूप का खनन नहीं कर सकेगा और ना ही जल स्त्रोतों से कृषि की सिंचाई या औद्योगिक उपयोग के लिए पानी ले सकेगा। नलकूप व हैंडपंप खनन और जल स्त्रोतों से सिंचाई के लिए जुड़े क्षेत्र के एसडीएम से लिखित अनुमति लेना होगी।

नर्मदापुरम में वाहनों की चेकिंग, पुलिस-यातायात स्टाफ ने वाहनों से उतारे हूटर, प्रेशरहॉर्न, काली फिल्म, जुर्माना भी वसूला

नर्मदापुरम (निप्र)। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते जिलेभर में पुलिस और यातायात स्टाफ नियमों का पालन कराने के लिए वाहनों की चेकिंग का अभियान चला रही है। अवैध नगद रुपए व सामग्री का परिवहन रोकने वाहन की डिग्गी, डेशबोर्ड इत्यादि चेक कर रही है। पदनाम वाली नंबर प्लेट, अतिरिक्त लाइट, हूटर या प्रेशर हॉर्न, कांच पर लगी काली फिल्में, बहुरंगी लाइट लगे वाहनों को रोक, चालक, मालिकों से जुर्माना वसूला गया। साथ ही नंबर प्लेट, हूटर, प्रेशर हॉर्न, काली फिल्म निकाली गई। जिले के सभी अनुविभाग में एसडीओपी एवं यातायात पुलिस द्वारा डीएसपी ट्रैफिक के निर्देशन में कार्रवाई की जा रही है। पिछले दो दिन पहले उक्त प्रकार के उल्लंघन पर परिवहन विभाग के साथ संयुक्त जांच में 75 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई कर करीब 45000 रुपय जुर्माना वसूला किया गया, था एवं पूरे जिले में 155 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई कर 68,500 रुपय जुर्माना वसूला गया है। यातायात डीएसपी संतोष मिश्रा ने अपील की कि वाहन चालकों कृपया यातायात नियमों का पालन करें एवं जुर्माने एवं असुविधा से बचें।

मतदाता जागरूकता अभियान शुरू-रंगोली, मेंहदी के जरिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लोगों को मतदान के लिए शपथ दिल रहीं

हरदा(निप्र)। लोकसभा निर्वाचन के लिए 26 अप्रैल को मतदान होगा। इससे पहले मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय त्रिपाठी ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपने-अपने गांव में मेंहदी और रंगोली जैसी गतिविधियों के जरिए महिला मतदाताओं को आगामी 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा निर्वाचन के लिए मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहीं है। इसके साथ ही आंगनवाड़ी केंद्र में आने वाले मतदाताओं को आंगनवाड़ी कार्यकर्ता 26 अप्रैल को मतदान करने की शपथ भी दिला रहीं है। इसी कड़ी में सोमवार को स्वीप गतिविधि के तहत ग्राम मुरली खेड़ा व ग्राम मगरधा में भवनों की दीवारों पर नारे लेखन की गतिविधि आयोजित की गई। जबकि टिमरनी के वार्ड-12 स्थित आंगनवाड़ी केंद्र और ग्राम अजनास खुर्द, खेड़ा व नकवाड़ा के आंगनवाड़ी केंद्र में मेहंदी व रंगोली के माध्यम से मतदान के लिए मतदाताओं को प्रेरित किया गया। त्रिपाठी ने बताया कि जिले के ग्राम धौलपुरकला, दूध कच्छ, छिदगांव मेल, पानतलाई व नजरपुरा में स्वीप गतिविधियों के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने स्थानीय ग्रामीणों को 26 अप्रैल को मतदान करने की शपथ दिलाई।

मदिरा के अवैधे क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भण्डारण पर हो कार्रवाई

सभी बॉर, रेस्टोरेंट, पब आदि निर्धारित समय पर बंद कराये जाये

इंदौर। इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन को लेकर विभिन्न तैयारियां जारी है। जिले में निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से मतदान सम्पन्न कराने के लिये विभिन्न व्यवस्थाएं की जा रही है। जिले में यह सुनिश्चित किया जा रहा है के मतदान पूर्ण रूप से निष्पक्ष एवं शुचितापूर्ण रूप से हो। मतदाता बगेर लोभ एवं भय के मतदान कर सके इसके लिये विभिन्न व्यवस्थाएं की जा रही है। इसको लेकर आज यहां कलेक्टर आशीष सिंह ने इन्फोर्समेंट एजेंसियों के अधिकारियों की बैठक ली।बैठक में उन्होंने इन्फोर्समेंट एजेंसियों द्वारा की जा रही कार्रवाईयों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी एजेंसियां अपने उत्तर दायित्वों का पूर्ण इमानदारी के साथ निर्वहन करें। उन्होंने इंदौर में जप्त की जा रही मदिरा और अन्य संदिग्ध सामग्रियों के बारे में भी जानकारी ली। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि सभी एजेंसियां सतत निगरानी रखें। अपने-अपने क्षेत्रों का सघन भ्रमण करते रहे। एयरपोर्ट पर भी विशेष निगरानी रखी जायेगी। बैंकों में दस लाख रूपये से अधिक के लेन-देन पर भी नजर रखने के निर्देश दिये गये है। उन्होंने कहा कि मदिरा का अवैध क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भण्डारण नहीं हो इसके लिये पुख्ता व्यवस्था की जाये। सभी बॉर, रेस्टोरेंट, पब आदि निर्धारित समय पर बंद हो यह सुनिश्चित किया जाये। बैठक में आबकारी, परिवहन, वाणिज्यिक कर, आयकर, नारकोटिक्स, बैंक, रेल्वे आदि विभागों के अधिकारी मौजूद थे।बैठक में बताया गया कि निगरानी के लिये एफएसटी, और एसएसटी टीमों का गठन कर लिया गया है। इनके द्वारा निगरानी प्रारंभ कर दी गई है। जिले की प्रवेश सीमा पर चौकियां भी स्थापित की गई है।

सामाजिक, धार्मिक एवं जातिगत दुर्भावना फैलाने वाले फोटो और वीडियो प्रसारित न करें

सोशल मीडिया पर गाइड लाइन के तहत करें पोस्ट - जिला मजिस्ट्रेट वैद्य

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए, कतिपय राजनैतिक, असामाजिक तथा शरारती तत्वों द्वारा इन्टरनेट तथा सोशल मीडिया के प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, वॉटसएप, ट्विटर इत्यादि का दुरूपयोग कर सांप्रदायिक, धार्मिक तथा जातिगत विद्वेष पहुचाने संबंधी दुर्भावना पूर्ण पोस्ट करने की सूचनाएं प्राप्त होती रही है। ऐसी स्थिति में यह आवश्यक है, कि लोकसभा निर्वाचन 2024 की नियत अवधि अंतर्गत सामान्य व्यक्तियों, आसामाजिक तथा शरारती तत्वों द्वारा इन्टरनेट तथा सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर साम्प्रदायिक तथा जातिगत विद्वेष दुभावना पूर्ण संदेशों को पूर्णतः प्रतिबंधित किये जाने की कार्यवाही संपादित की जाए। कलेक्टर एवं जिला मजिस्टेऊट श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के उपयोग के संबंध में धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के तहत निर्वाचन से संबंधित राजनैतिक दलों, अभ्यथीयों के बारे में प्रचार-प्रसार संबंधी लेख, जिला स्तरीय एमसीएमसी समिति के प्रमाणन के पश्चात ही अपलोड किये जाएं। आमजन, राजनैतिक दलों, अभ्यथीयों एवं शासकीय सेवको द्वारा भी सोशल मीडिया में आदर्श आचार संहिता के निदेशों के अधीन रहते हुये लेख, वीडियों अपलोड किये जायें। कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों जैसे वाट्सएप, फेसबुक, हाईक, एक्स, एसएमएस, इस्ट्राग्राम, इत्यादि का दुरूपयोग कर जातिगत, धार्मिक, सामाजिक भावनाओं एवं विद्वेष को भडकने, उत्तेजित करने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण, फारवर्ड नही करेगा। कोई भी व्यक्ति उपरोक्त ऊपर वर्णित सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म में किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलाने वाले संदेश, फोटो, आडियो वीडियो इत्यादि भी सम्मिलित है, जिसमें धार्मिक, जातिगत, सामाजिक आदि भावनाएं भड़क सकती है, या सांप्रदायिक विद्वेष उत्पन्न होता है, को न ही प्रसारित करेगा और न ही भेजेगा। सोशल मिडिया के किसी भी पोस्ट जिसमें धार्मिक , सांप्रदायिक, जातिगत भावनाएं भड़कती हो कमेट, लाईक, शेयर या फारवर्ड नहीं करेगा। ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप मे इस प्रकार के संदेशों को रोके तथा तत्काल उनकी सूचना निकटतम थाने को प्रदान करें। संभव हो, तो ग्रुप एडमिन ग्रुप की सेंटिंग ओनली फॉर एडमिन पर भी रख सकते है। कोई भी सामुदायिक, धार्मिक, जातिगत विद्वेष फैलाने वाले या लोगों अथवा समुदाय के मध्य घृणा, वैमनस्यता के माध्यम से पैदा करने या दुष्प्रेरित करने या उकसाने या हिंसा फैलाने का प्रयास उपरोक्त माध्यमों से नहीं करेगा और न ही इसके लिए प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति विकृत फोटो ध् वीडियोध् ऑडियो, अफवाह या तथ्यो को तोड़-मरोड़कर भडकाने, उन्माद उत्पन्न करने वाले संदेश जिससे लोग या समुदाय विशेष हिंसा या गैरकानूनी गतिविधियो में संलग्न हो जाये, प्रसारित, फॉरवर्ड नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति, समुदाय ऐसे संदेशों को प्रसारित नही करेगा।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

इंदौर, गुरुवार 21 मार्च , 2024

कांग्रेस की अजब दुविधा

इंदौर। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में प्रत्याशी का संकट गहराता नजर आ रहा है। पहले नगर निगम में पार्षद के चुनाव और उसके बाद विधानसभा चुनाव के लिए जिस अंदाज में टिकट के लिए नेता लाबिंग करते नजर आते थे, वैसा इस बार लोकसभा चुनाव के लिए नजर नहीं आता। फिलहाल जिन नेताओं के नाम हवाओं में तैर रहे हैं, या तैराए जा रहे हैं उससे लगता है मानो हथियार उठाने से पहले ही डालने की तैयारी है। विधानसभा में भाजपा ने तमाम मुश्किल सीटों पर बड़े चेहरों को उतारकर मुकाबला चुनौतीपूर्ण बनाया था। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के बड़े नेता क्यों नहीं अपना 'बड़प्पन दिखाने आगे आ रहे। वैसे इतना तय है कि इस बार का लोकसभा चुनाव भी पार्टी बिना शहरी संगठन के लड़ेगी। बीते दिनों जिन्हें कार्यकारी अध्यक्ष के पद दिए थे, उनमें से कुछ भगवा दुपट्टा ओढ़ चुके हैं। अन्य पदाधिकारी बनाए ही नहीं गए।

चुनाव से पहले तबादलों का मौसम

इंदौर। इंदौर हर चुनाव से पहले तबादलों का मौसम आता है। विधानसभा चुनाव से पहले भी बंपर तबादले हुए थे। लोग ठीक से कुर्सी पर जम भी नहीं पाए कि लोकसभा चुनाव का बिगुल बज गया। सरकारी महकमों में तबादलों का यह आलम था कि साहब से लेकर अर्दली तक की कुर्सी घूम गई। आधी रात तक तबादलों पर माथापच्ची चली। शहर का शिक्षा विभाग भी इससे अछूता नहीं रहा। संयुक्त संचालक, सहायक संचालक, डीपीसी से लेकर प्राचार्य जैसे पद वालों को यहां से वहां कर दिया गया। मगर मजाल है कि शहर में शिक्षा विभाग के एक आला अधिकारी की कुर्सी तक किसी की नजर पहुंच जाए। यह अधिकारी सालों से इंदौर में यूं जमे हैं मानो अंगद का पैर। इंदौर से लेकर भोपाल तक जिम्मेदारों को ऐसा ज्ञान बांटा है कि इनकी कुर्सी कोई हिला नहीं पाता।

अपहरण की कड़ी इंदौर से जुड़ी, जांच के लिए शहर पहुंची पुलिस

इंदौर । कोटा से अपहर्त बैराड़ की छात्रा काव्या धाकड़ के अपहरण के मामले में कोटा पुलिस इंदौर पहुंची है। काव्या ह्रश्वश्वज्ञ की तैयारी कर रही है और इसके लिए छात्रा पहले इंदौर में पढ़ती थी। 18 मार्च को इंदौर से ही जयपुर के लिए रवाना हुई थी।एडिशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने बताया कि राजस्थान पुलिस ने इस मामले में सहयोग मांगा है। वह यहां कुछ जानकारी के लिए आई है। काव्या इंदौर में पढ़ाई कर चुकी है और राजस्थान पुलिस का मानना है कि यहां से उन्हें कुछ सुराख मिल सकता है। बुधवार को कुछ सीसीटीवी फुटेज में लड़की जयपुर में दो लड़कों के साथ घूमती हुई दिखाई दी है। पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है।खबरों के अनुसार, इंदौर में पढ़ाई के दौरान भी काव्या को अपहरण की धमकी मिल चुकी थी। बदमाशों द्वारा उसे परेशान किया जाता था, जिसके बाद पिता ने उसे शिवपुरी बुला लिया था। शिवपुरी में भी काव्या को कई बार धमकी भरे काल आए थे, जिसके बाद पिता ने मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इंदौर मामले में अनुराग सोनी, हर्षित और पोहरी के जरिया खेड़ा निवासी रिंकू धाकड़ का नाम सामने आया था। पुलिस ने इन्हें समझाइश दी थी। इसके बाद भी परेशानी खत्म नहीं हुई, तो पिता ने काव्या को कोटा भेज दिया था। अपहरणकर्ताओं ने छात्रा का अपहरण करने के बाद उसके साथ खूब मारपीट की है और छात्रा के फोटो पिता को भेजे हैं। इसमें काव्या के मुंह से खून निकलता दिखाई दे रहा है। साथ ही माथे पर सूजन व रगड़ने के निशान भी हैं।

समन्वयकर्ता अधिकारियों की नियुक्ति हेतु संशोधित आदेश जारी

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने लोकसभा निर्वाचन 2024 की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए नोडल/सहायक नोडल/समन्वयकर्ता अधिकारी की नियुक्ति की है। संशोधित आदेशानुसार नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा को सामग्री प्रबंधन के दायित्व हेतु समन्वयकर्ता अधिकारी एवं नगर निगम अपर आयुक्त मनोज पाठक को परिवहन प्रबंधन कार्यो के लिए सहायक नोडल अधिकारी नियुक्ति किया गया है। कलेक्टर सिंह ने संयुक्त कलेक्टर प्रदीप सोनी को बैलेट/ईडीसी/ईटीपीबीएस से मतदान एवं पश्चातवर्ती कार्यवाही हेतु नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी के रूप में क्रमश- राजस्व निरीक्षक अखिलेश सरमंडल एवं मनीष भार्गव को नियुक्त किया है। इलेक्टोरल प्रबंधन के दायित्वों के लिए डिप्टी कलेक्टर सुश्री निधि वर्मा को नोडल अधिकारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी अनिल माथुर को प्रेक्षक प्रबंध के लिए सहायक नोडल नियुक्त किया गया है। उक्त आदेश के अलावा महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी रवि शर्मा को सेक्टर अधिकारी नियुक्त किया हैं। उन्हें सहायक नोडल अधिकारी के दायित्व से मुक्त किया गया है। कलेक्टर सिंह ने लोकसभा चुनाव के लिए मतपत्र/डाक मतपत्र/मुद्रण प्रबंधन का कार्य संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा श्रीमती नीलम निनामा को सौंपा है। पूर्व में इस दायित्व से संलग्न जिला कोषालय अधिकारी श्रीमती मोनिका कटारे को वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर माह मार्च एवं अप्रैल 2024 में बजट क्लोजिंग एवं अकाउंट से संबंधित अतिरिक्त कार्य होने से इस कार्य से मुक्त किया गया है।

सेक्टर अधिकारियों एवं VM/VVPAT वाले सभी वाहनों की लक्कर से होगी ट्रेकिंग

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के आदेशानुसार आगामी लोकसभा चुनाव-2024 हेतु प्रत्येक मतदान दलों एवं सेक्टर आफिसर के वाहनों, EVM/VVPAT लाने एवं ले जाने वाले प्रत्येक वाहन पर GPS based Vehicles Tracking System का उपयोग विगत विधानसभा निर्वाचन-2023 के अनुसार निगरानी रखी जायेगी। लोकसभा चुनाव 2024 हेतु सभी वाहनों पर GPS based Vehicles Tracking System के संबंध में संयुक्त कलेक्टर विजय मंडलाई मोबाइल नम्बर 7089101379 को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिये घूमेगा रथ, कलेक्टर सिंह ने हरी झण्डी दिखाकर रथों को किया रवाना

इंदौर। इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिये व्यापक तैयारियां चल रही हैं। जिले में मतदाताओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने, मतदान में भाग लेने, युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिये प्रेरित करने हेतु स्वीप अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां चल रही हैं। इसी के तहत कलेक्टर कार्यालय से कलेक्टर आशीष सिंह ने झण्डी दिखाकर जागरूकता रथ रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत क मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। यह रथ इंदौर के सभी विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचेगा और मतदान तथा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिये नागरिकों को प्रेरित करेगा। इस रथ में एलईडी भी लगी हुई है। इसके माध्यम से मतदाताओं को दृश्य एवं श्रृव्य द्वारा मतदान के प्रति जागरूक बनाया जायेगा। कलेक्टर सिंह ने बताया कि जिले में स्वीप अभियान के अंतर्गत मतदाताओं को जागरूक करने के लिये विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। मतदाताओं को जागरूक बनाने के लिये विभिन्न स्तर पर ब्रांड एंबेसेडर भी बनाये गये हैं। कॉलेजों में भी ब्रांड एंबेसेडर नियुक्त किये गये हैं। यह एंबेसेडर युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिये प्रेरित कर रहे हैं।

देश के स्वच्छतम शहर में गीले कचरे से खाद बनाने की योजना विफल ...

बहुमंजिला इमारतें, टाउनशिप और व्यावसायिक संस्थानों में नहीं बन रही खाद, बेकार हो गए निगम के कंपोजिट पिट, कचरा शुल्क में छूट देने से निगम को करोड़ों रुपयों का हो रहा घाटा

विनय वर्मा

इंदौर। नगर निगम इंदौर की देश में अलग पहचान है यहाँ कई योजनाएं चल रही हैं, पर गीले कचरे से खाद बनाने की योजना यहाँ सफल होते नहीं दिख रही है। इससे करोड़ो रुपए का नुकसान हो रहा है और निगम के जवाबदार अधिकारी इससे पुरी तरह से अनभिज्ञ है। इंदौर नगर निगम ने कचरे से खाद बनाने की योजना के तहत बहुमंजिला इमारतें, टाउनशिप, मल्टी और व्यावसायिक संस्थानों में गीले कचरे से खाद बनाने के लिये कंपोजिट पिट बनवाये थे लेकिन कुछ ही समय बाद निगम की यह योजना पुरी तरह से फ्लॉप हो गई और इसके कारण दी गई छूट से निगम को हर साल करोड़ो रुपए का घाटा हो रहा है।

इंदौर नगर निगम ने शहर में स्वच्छता के लिए कई प्रकार के प्रयोग किये थे और अनेक योजना भी इंदौर को लेकर बनाई थी जिसमें से एक वर्ष 2017 में गीले कचरे से खाद बनाने की योजना भी थी जिसके लिए निगम ने कई जगहों पर खाद बनाने के कम्पोजिट पिट बनवाये थे और जहां पर प्लांट लगवाए थे वहां पर कचरा शुल्क में 50 फीसदी की छूट दी गई थी। लेकिन समय के साथ पिट से खाद बनाना तो दूर पिट ही समाप्त हो गए। अब न तो पिट में खाद बन रही है और न ही निगम को समय पर पूरा कचरा शुल्क मिल रहा है। अब तो हालात यह है कि निगम गीला और सूखा दोनो तरह का कचरा खुद उठा रहा है व छूट का लाभ बहुमंजिला इमारतें, टाउनशिप और व्यावसायिक संस्थान उठा रहे हैं। जहां पर निगम ने पिट लगवाए थे वहां से निगम सिर्फ सूखा कचरा उठाने वाला था लेकिन अब निगम की गाड़ियां दोनो तरह का कचरा उठा रही हैं लेकिन शुल्क सिर्फ सूखे कचरे का ही मिल रहा है यानि की निगम की इस योजना की

हवा निकल चुकी है और योजना फ्लॉप हो गई है। 60 रुपए से लेकर 180 रुपए था शुल्क

निगम ने डोर टू डोर कचरा उठाने के लिये 60 रुपए से लेकर 180 रुपये तक के रेट तय किए थे। इसके साथ ही बहुमंजिला इमारतें, कालोनी और टाउनशिप में गीले कचरे से खाद बनाने की स्कीम पर 50 फीसदी की छूट दी थी लेकिन कुछ समय के बाद गीले कचरे से खाद बनना बंद हो गई और निगम को इससे कोई फायदा नहीं हुआ। अब निगम कर्मियों खासकर सेनिटरी इंस्पेक्टरों की मिलीभगत से दोनों तरह का कचरा उठाया जा रहा है।

निगम को हो रहा है करोड़ों रुपए का घाटा

समय पर कचरा शुल्क नहीं वसूलने से निगम को करोड़ो रुपए का घाटा हो रहा है जबकि निगम खुद भारी आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। निगम में आर्थिक परेशानी के चलते कई प्रोजेक्ट रुक गए है, कर्मचारियों को वेतन समय पर नहीं मिल रहा है बावजूद इसके निगम का कचरा शुल्क वसूलने का काम बेहद सुस्त है। निगम के कर्मचारी शहरवासियों से कचरा शुल्क नहीं वसूल कर पा रहे हैं।

यह है जिम्मेदारों के जवाब

राजस्व अधिकारी अभिलाष मिश्रा से बात की गई तो उनका कहना था कि निगम ने पिछले साल 39 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्त किया था और इस साल 30 करोड़ के लगभग प्राप्त हो चुके हैं बाकि भी जल्द ही प्राप्त कर लेंगे लेकिन घाटे के सवाल पर कहा कि इसका आंकड़ा निकलवा कर ही कुछ बता पाएंगे।

सदभावना सलाह -

इंदौर नगर निगम के आला अधिकारियों को दैनिक सदभावना पाती सलाह देता है कि, निगम की आर्थिक हालत से सभी रूबरू हो रहे हैं यहाँ ठेकेदारों का करोड़ों का भुगतान बाकी है, कइयों ने टेंडर डालना ही बंद कर दिए हैं, कुछ माह पूर्व आर्थिक तंगी से परेशान एक ठेकेदार ने खुदकुशी कर ली थी, ऐसी स्थिति में राजस्व वसूली में जो सेनेटरी इंस्पेक्टरों के कारण नुकसान हुआ है उन पर ध्यान दें ताकि निगम की माली हालत में सुधार हो सके।

● सात लाख से अधिक घर है शहर में, 70 करोड़ रुपए से अधिक आय होना चाहिए -

इंदौर शहर में सात लाख से अधिक घर है जिसका कचरा शुल्क 60 रुपए से लेकर 180 रुपए तक है। इस हिसाब से निगम को लगभग 70 करोड़ से अधिक का राजस्व जमा होना चाहिए लेकिन निगम की लापरवाही से साल में 39 करोड़ का ही राजस्व मिल रहा है इसके साथ ही निगम की

यही सवाल के जवाब के लिए जब राजस्व अधिकारी सिद्धार्थ जैन को फोन लगाया तो उनसे बात ही नहीं हो सकी।

कमर्शियल और मल्टी में बल्क में लगता है कचरा शुल्क

निगम मल्टियों और कमर्शियल में अलग अलग कचरा शुल्क लेता है। इसके साथ ही सूखा और गीले कचरे का भाव भी अलग अलग है लेकिन निगम की स्कीम के तहत जहां जहां पर खाद बनाने के पिट लगाए गए थे वहां पर निगम ने शुल्क में छुट दी थी कुछ समय के बाद ही लोगों ने पिट बंद कर दिए लेकिन छूट का लाभ यथावत लेते रहे। इस तरह के खाद बनाने के प्लांट गुजराती कॉलेज, सी21 मॉल, अपना स्वीट्स शालीमार टाउनशिप, कल्याण संपत गार्डन के अलावा अनेक जगह लगवाए थे लेकिन लगभग सभी जगह यह प्लांट बंद हो गए हैं पर छूट का लाभ सभी ले रहे हैं।

इंदौर में 30 मार्च को रंग पंचमी पर निकलेगी रंगारंग गेर

● आदर्श आचार संहिता का कराया जायेगा पालन ● गेर में हथियार लेकर चलने वालो पर होगी रासुका की कार्यवाही

इंदौर। इंदौर में आगामी 30 मार्च को रंग पंचमी का पर्व परंपरागत रूप से हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। इस दिन शहर के निर्धारित मार्गों से रंगारंग गेर भी निकाली जायेगी। पूरा शहर रंगों से सराबोर रहेगा। गेर में हुडदंग करने वालो के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। गेर में हथियार के साथ पकड़े जाने वाले असामाजिक तत्वों के विरूद्ध रासुका की कार्यवाही होगी। गेर में आदर्श आचार संहिता का पालन भी करना होगा। इसके तहत किसी भी राजनैतिक दलों के चिन्ह, बैनर, पोस्टर आदि का प्रर्दशन नही किया जा सकेगा।

यह जानकारी कलेक्टर कार्यालय में गेर की व्यवस्थाओं को लेकर आयोजकों के साथ जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों की सम्पन्न हुई संयुक्त बैठक में दी गई। बैठक में पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता, कलेक्टर आशीष सिंह, एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि गेर आयोजन की तैयारियां प्रारंभ हो गई है। गेर शहर में परम्परागत रूप से निर्धारित मार्गों से निकाली जायेगी। बैठक में सभी आयोजकों की सहमति से गेर के क्रम में संशोधन किया गया है। अब सबसे पहले राधा-कृष्ण फाग यात्रा निकलेगी। यह यात्रा सुबह ठीक 10 बजे निकलना प्रारंभ हो जायेगी। इसके बाद क्रमश- टोरी कार्नर, मारल क्लब, रसिया कार्नर, संगम कार्नर और जूनी इंदौर क्षेत्र से माधव फाग यात्रा निकलेगी। आयोजकों ने गेर के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

कलेक्टर आशीष सिंह ने गेर आयोजकों से कहा कि वे अपनी-अपनी गेर निर्धारित समय के साथ तय क्रम से ही निकाले। समय एवं अनुशासन का विशेष रूप से पालन करें। वे यह तय करें कि किसी भी तरह की हुडदंग नहीं हो। पूर्ण शालिनता बनी रहे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक गेर में समन्वय और अन्य व्यवस्थाओं के लिए नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर रैंक के अधिकारी प्रभारी के रूप मे साथ रहेगें। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने अनुविभाग में कानून व्यवस्था कि स्थिति के लिए पुलिस अधिकारियों से आवश्यक समन्वय एवं संवाद में रहेंगे। संबंधित विभागों नगर निगम, स्वास्थ एवं लोक निर्माण विभाग से समन्वय स्थापित करवायेगें। बैठक में बताया गया कि संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जायेगी। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि व्यवस्थाओं को देखते हुए सभी स्वागत मंच रोड़ के एक ही तरफ लगवाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि गेर में किसी भी तरह की हुडदंग करने वालों को छोड़ा नहीं जायेगा। हथियार सहित पकडे जाने पर संबंधित असामाजिक तत्वों के विरूद्ध रासुका की कार्यवाही की जायेगी। गेर में आदर्श आचार संहिता का पालन करना होगा। इसके तहत किसी भी तरह के राजनैतिक दलों के चिन्ह, बैनर, पोस्टर आदि का प्रर्दशन नहीं किया जा सकेगा।

पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता ने कहा कि गेर के दौरान सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध रहेंगे। सीसीटीवी और वीडियों कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी रखी जायेगी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पूरे गेर मार्ग को सेक्टर के रूप में विभाजित कर सुरक्षा प्रबंध किये जायेंगे। सेक्टर वाईज कंट्रोल रूम भी बनाया जायेगा। उन्होंने सुरक्षा प्रबंध के लिए पूरे मार्ग पर 2 डीसीपी को नोडल बनाया है। उन्होंने आग्रह किया कि गेर में गडबड़ी करने वाले तत्वों और हथियार रखने वालों की सूचना तुरन्त पुलिस को दी जाये। गुप्ता ने कहा कि मदिरा पीकर शांति भंग करने वालों के विरूद्ध भी कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

इंदौर- भुगतान न मिलने से किसान परेशान, व्यापारियों ने पैसा रोका

इंदौर। आम चुनाव की आचार संहिता से मंडी में कारोबारी और उपज बेचने आने वाले किसान भी प्रभावित हो रहे हैं। चुनाव की घोषणा होने के बाद से मंडी में नकद भुगतान रुकने लगा है। मंडी में उपज बेचने वाले किसानों को दो लाख रुपये तक की राशि नकद ही देने का प्रावधान प्रशासन ने किया है। किसान शिकायत कर रहे हैं कि दो-तीन दिन से व्यापारियों ने नकद भुगतान से इन्कार कर दिया है। इस बीच कुछ कारोबारियों पर किसानों का भुगतान रोकने का आरोप लगा है।किसानों के अनुसार मंडी प्रशासन कार्रवाई करने की बजाय खामोश बैठा है। आयकर के नियमों के अनुसार 20 हजार रुपये से ज्यादा राशि का भुगतान नकद नहीं किया जा सकता। हालांकि किसानों की फसल बेचने के मामले में आयकर के इस नियम से छूट है।बीते वर्षों में विरोध और हंगामे के बाद मंडी में आने वाले किसानों की पहचान पत्र की प्रति लेकर दो लाख रुपये तक नकद भुगतान देने की छूट व्यापारियों की दी गई है। यह व्यवस्था चल रही है। आचार संहिता लगने के बाद व्यापारियों को डर लग रहा है कि वे रुपये लेकर अपने साथ चलेंगे तो पुलिस और निर्वाचन के अधिकारी उनकी जांच करेंगे और रुपये जब्त हो सकते हैं। इसी के चलते आचार संहिता लगने के बाद व्यापारियों ने नकद रुपये साथ लाना ही बंद कर दिया है। व्यापारियों के अनुसार एक-एक व्यापारी चार-पांच किसानों से माल खरीदता है। ऐसे में उसे 5-10 लाख रुपये तो नकद रखना ही पड़ते हैं। इतना नकद लेकर आचार संहिता के दौर में चलना परेशानी बढ़ा रहा है।संयुक्त किसान मोर्चा के रामस्वरूप मंत्री, बबलू जाधव ने बताया कि पिछले तीन दिनों से मंडी में उपज लेकर आ रहे किसानों को नकद भुगतान नहीं हो पा रहा है। व्यापारी चुनाव का बहाना बना रहे हैं। वैवाहिक सीजन है और गांव में शादी ब्याह के चलते किसानों को पैसों की जरूरत है, लेकिन व्यापारियों का कहना है कि वे नगद भुगतान नहीं कर पाएंगे। इस संबंध में किसान संगठनों ने इंदौर कलेक्टर को भी पत्र लिखकर आग्रह किया है कि नगद भुगतान की व्यवस्था को लागू करें। इस बीच मंडी में किसान शिकायत लेकर पहुंचे हैं कि कुछ व्यापारी उपज खरीदने के बाद सात-आठ दिनों में भी उनका भुगतान नहीं कर रहे हैं, जबकि मंडी के नियमों के अनुसार तुरंत या अधिकतम अगले ही दिन किसानों को उसकी उपज के भुगतान का नियम लागू है। मामले में कुछ किसानों ने सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत की है। सूत्रों के अनुसार राजनीतिक प्रभाव रखने वाले बड़े व्यापारी कई दिनों तक किसानों का पैसा रखकर उसका उपयोग कर रहे हैं। इनमें कुछ व्यापारी एसोसिएशन से जुड़े पदाधिकारी भी है। प्रभाव के चलते मंडी प्रशासन शिकायतों पर गौर नहीं कर रहा।

रोबोटिक सर्जरी करने वाला प्रदेश का पहला सरकारी अस्पताल बनेगा एमवायएच, प्रस्ताव तैयार

जल्द ही मरीजों को मिलेगा लाभ, अभी तक सिर्फ बड़े प्राइवेट अस्पतालों में ही मिलती है यह सुविधा

इंदौर। एमवाय अस्पताल में मरीजों को जल्दी ही अब रोबोटिक सर्जरी की सुविधा का लाभ देने की तैयारी की जा रही है। इससे यहां पर जटिल ऑपरेशन भी हो सकेंगे। इसका प्रस्ताव तैयार हो चुका है और स्वीकृति के लिए भोपाल भेजा जाएगा।

अभी तक यह सुविधा सिर्फ बड़े प्राइवेट अस्पतालों में ही मिलती है। रोबोटिक सर्जरी करने वाला एमवायएच प्रदेश का पहला गवर्नमेंट अस्पताल बन जाएगा। इस संबंध में मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने संभागायुक्त को पत्र भी लिखा था, जिसमें रोबोटिक सर्जरी के माध्यम से आधुनिक सुविधा के साथ ही सरकारी खर्च पर मरीजों को इलाज की सुविधाएं उपलब्ध करने की बात कही थी। इसके लिए एमवाय अस्पताल में बन रहे नए ऑपरेशन कांप्लेक्स में रोबोटिक सर्जरी के लिए जगह की भी मांग की गई है।

भोपाल से मंजूरी मिलने के बाद अस्पताल में इसका काम शुरू हो जाएगा। रोबोटिक सर्जरी शुरू होने से प्रोस्टेक्टोमी, हार्ट सर्जरी, गाल ब्लैडर सर्जरी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, गाइनिक सर्जरी आदि में मरीजों को सुविधा मिलने लगेगी। गवर्नमेंट अस्पतालों में मरीजों का दबाव अधिक होने के कारण सर्जरी की वेटिंग लिस्ट बनी रहती है। ऐसे में ओपन सर्जरी की जगह रोबोटिक सर्जरी का चलन बढ़ने से सर्जरी की यह लिस्ट कम हो सकेगी। इस तकनीक के माध्यम से मरीज का ऑपरेशन जल्दी हो जाता है, वहीं जटिल ऑपरेशन भी इसके माध्यम से आसान प्रक्रिया में हो सकता है।

अधिकारियों के अनुसार एमवाय अस्पताल में सभी ओटी उन्नत किस्म के बनाए जा रहे हैं। यहां मेटल व ग्लास सीलिंग का इस्तेमाल हुआ है। उपकरणों के लिए मांग पत्र कालेज प्रशासन को भेज दिया गया है। माड्यूलर ओटी में वाटर प्रूफिंग करवा रहे हैं, ताकि किसी तरह के रिसाव की दिक्कतें नहीं हों। तल मंजिल पर बने पुरानी ऑपरेशन थिएटर में इमरजेंसी ऑपरेशन होंगे, लेकिन इस ओटी कॉम्प्लेक्स का काम सालों से चलने के बावजूद पूरा नहीं हो पाया है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, गुरुवार 21 मार्च , 2024

संपादकीय | परीक्षा प्रणाली को भरोसेमंद बनाने का संकल्प

प्रतियोगी परीक्षाओं के पर्चों का केंद्रों पर पहुंचने से पहले ही बाहर आ जाना जैसे आम बात हो गई है। हर घटना के बाद सरकारें नकल माफिया पर शिकंजा कसने और परीक्षा प्रणाली को भरोसेमंद बनाने का संकल्प दोहराती हैं, मगर अगली ही किसी परीक्षा में फिर पर्चे बाहर हो जाते हैं। पिछले महीने उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती परीक्षा का पर्चा फूटा था। नतीजतन, परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी। अब बिहार लोक सेवा आयोग की शिक्षक भर्ती परीक्षा के पर्चे परीक्षा से एक दिन पहले ही बाहर आ गए और नकल माफिया दस लाख रुपए लेकर विद्यार्थियों को उनके उत्तर उपलब्ध कराने लगा था।

बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा को दो दिन पहले ही जानकारी मिल गई थी कि शिक्षक भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र हल करके बांटे जा रहे हैं। परीक्षा के बाद जब पकड़े गए और परीक्षा के प्रश्नपत्रों का मिलान किया गया, तो जाहिर हो गया कि पर्चा पहले ही फूट गया था। अब इसे लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। बिहार लोक सेवा आयोग ने भरसक यह साबित करने की कोशिश की कि शिक्षक भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र बाहर नहीं आया, मगर आखिरकार यह साबित करने में नाकाम रहा।

बिहार में कई वर्ष से शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया रुकी हुई थी। जब उसे भरने का काम शुरू हुआ और दो चरण की परीक्षाओं में हजारों विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें नियुक्ति पत्र दे दिए गए तो इसे लेकर युवाओं में उत्साह बना। इस बीच नकल माफिया भी सक्रिय हो गया और इसके तीसरे चरण की परीक्षा में पर्चा बाहर निकाल लाया। हालांकि यह अकेले बिहार की बात नहीं है

जब परीक्षा से पहले पर्चा बाहर निकाल कर नकल माफिया ने पैसा बटोरना शुरू कर दिया। मगर हैरानी इस बात की है कि तमाम तथ्यों से वाकिफ होते हुए भी परीक्षा की तैयारियों में अपेक्षित सावधानी क्यों नहीं बरती जाती। एक दिन पहले प्रश्नपत्र बाहर आने और सवालों के उत्तर तैयार किए जाने का मतलब है कि नकल माफिया ने प्रश्नपत्रों के केंद्रीय सुरक्षा तंत्र में सेंधमारी की। जबकि आजकल प्रतियोगी परीक्षाओं के पर्चे खोलने के लिए कई स्तर के कवच तैयार किए जाते हैं। अगर नकल माफिया उन्हें भेद गया, तो जाहिर है कि उसमें परीक्षा आयोजित कराने वाले तंत्र की भी मिलीभगत थी। सरकारी नौकरियों के लिए युवाओं की ललक किसी से छिपी नहीं है। विभिन्न महकमों में लाखों पद वर्षों से खाली हैं। उन पर भर्ती प्रक्रिया रुकी हुई है। ऐसे में, जब भी किसी महकमे में कोई भर्ती खुलती है, तो देश भर से लाखों युवा आवेदन करते हैं। इस वक्त रोजगार की जैसी कमी देखी जा रही है, उसमें अपनी योग्यता के हिसाब से बहुत नीचे के पदों पर भी हजारों युवा आवेदन करते हैं। इस स्थिति में अगर प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्था चाक-चौबंद नहीं हो पाती और पर्चा बाहर आने की वजह से परीक्षाएं रद्द करनी पड़ती हैं, तो लाखों युवाओं का पैसा और समय बर्बाद जाता और उनका मनोबल कमजोर पड़ता है। फिर नए सिरे से उन्हें आवेदन करना और उसकी तैयारी करनी पड़ती है। इस बीच कई युवाओं की उम्र भी पार हो जाती है। यह समझ से परे है कि नकल माफिया की करतूतों से वाकिफ होते हुए भी सरकारें और प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित कराने वाले कोई पुख्ता तंत्र विकसित करने में कामयाब क्यों नहीं हो पाते।

युवाओं को साधने में लगे दोनों राजनीतिक दल

इंदौर। इंदौर को प्रदेश की शैक्षणिक राजधानी भी माना जाता है। यहां राष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान और कोचिंग संस्थान हैं। प्रदेशभर से विद्यार्थी यहां नियमित पढ़ाई के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं।इंदौर में 1500 के लगभग होस्टल हैं और इनमें 80 हजार से ज्यादा विद्यार्थी रहते हैं। करीब 20 हजार विद्यार्थी अलग-अलग क्षेत्रों में घरों में पेइंग गेस्ट के रूप में भी रहते हैं। हजारों की संख्या में ऐसे विद्यार्थी भी हैं जो शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में कमरे किराए पर लेकर रह रहे हैं। इस तरह से देखा जाए तो करीब सवा लाख विद्यार्थी हैं जो न सिर्फ युवा हैं, बल्कि जिनके मानस पटल पर फिलहाल किसी राजनीतिक दल की छाप नहीं पड़ी है। यही वजह है कि हर बार चुनाव से पहले ये नवयुवा विद्यार्थी मतदाता राजनीतिक दलों के लिए आकर्षण का केंद्र बन जाते हैं।इस बार भी ऐसा ही है। यही वजह है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही राजनीतिक दल इन विद्यार्थियों तक अपनी विचारधारा पहुंचाने और इन्हें अपनी पार्टी से जोड़ने में लगे हैं। राजनीतिक दलों को उम्मीद रहती है कि अगर वे अपनी विचारधारा इन विद्यार्थियों तक पहुंचाने में सफल रहे और उन्होंने पार्टी का सदस्य बना लिया तो ये विद्यार्थी भविष्य में पार्टी की विचारधारा के लिए प्रेरक का काम करेंगे, क्योंकि शिक्षा खत्म करने के बाद ये अपने-अपने मूल स्थानों को लौटेंगे और वहां पार्टी की विचारधारा का प्रचार प्रसार करेंगे। दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दलों ने युवाओं को अपनी ओर रिझाने की तैयारी करते हुए उनसे संपर्क शुरू भी कर दिया है। महाविद्यालय, होस्टल जैसी जगह पहुंचकर ये दल विद्यार्थियों को पार्टी की विचारधारा बता रहे हैं।दोनों ही प्रमुख दल युवाओं को राष्ट्रवाद से जोड़ने का दावा करते हैं। पदाधिकारियों का कहना है कि युवाओं को राष्ट्रवाद से जोड़ने के साथ-साथ वे उन्हें सक्रिय राजनीति की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। इंदौर में शिक्षा प्राप्त करने के बाद ये युवा प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में जाते हैं। इन्हीं में से कुछ प्रशासनिक सेवाओं में तो कुछ व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में जाते हैं। युवावस्था में किसी विचारधारा से जुड़ाव का असर इनके मस्तिष्क पर पूरे जीवन रहता है। इन्हीं युवाओं में से कुछ ऐसे भी रहते हैं जो सक्रिय राजनीति में आ जाते हैं। युवाओं को अपनी विचारधारा से जोड़ने का फायदा पार्टियों को लंबे समय तक मिलता है।

जलसंकट से निपटने के लिए इंदौर नगर निगम ने दौड़ाए 218 टैंकर

इंदौर। मार्च में अभी भले ही गर्मी पूरी तरह शुरू नहीं हुई है लेकिन नगर निगम ने हर साल की तरह इस बार भी कई इलाकों में जलसंकट से निपटने के लिए पहले दौर में 218 टैंकर मैदान में उतार दिए हैं। इनमें 87 टैंकर निगम के खुद के हैं, जबकि 131 टैंकर किराए पर लिए गए हैं। जोनल से सबइंजीनियर्स इसकी मानिटरिंग में सभी टैंकरों में जीपीएस सिस्टम भी लगाए गए हैं।

कई वार्डों में बोरिंग से पानी नहीं मिलने की शिकायतें और कई वार्डों में जलसंकट के चलते निगम द्वारा पानी के टैंकर चलाए जा रहे हैं। इनमें कई टैंकरों की वर्कशाप विभाग में रंगाई-पुताई कर दी गई है, जिन पर नेताओं के नाम लिखे थे। निगम के पास कई ऐसे टैंकर हैं, जो सांसद और विधायक निधि से मिले हैं। शिकायतें बढऩे के चलते अब कई ग्रामीण क्षेत्रों से सटे वार्डों में टैंकरों से पानी बांटने का काम शुरू कर दिया गया है। पहले दौर में इसके लिए निगम के 87 टैंकर ही चलाए गए थे। इनमें कई ट्रैक्टर टैंकर भी शामिल हैं। इसके बाद शिकायतें बढऩे पर और टैंकरों को चलाना शुरू किया गया।

अधिकारियों के मुताबिक अभी तक किराए के 131 टैंकर और चलाए गए हैं, ताकि वार्डों में पानी की किल्लत न हो। कनाडिया, बंगाली कालोनी, मूसाखेड़ी, हवाबंगला जोन, विदुर नगर से लेकर पल्हर नगर झोन के अंतर्गत कई कालोनियों में पानी बांटने का कार्य दो अलग-अलग शिफ्टों में चलाया जा रहा है। इसके लिए झोनलों पर तैनात नर्मदा प्रोजेक्ट के सबइंजीनियर्स को निगरानी के कार्य में लगाया गया है। वे प्रतिदिन टैंकरों की मानिटरिंग करते हैं और जिन क्षेत्रों से सर्वाधिक शिकायतें आ रही हैं, वहां सुबह से लेकर देर रात तक पानी बांटने का कार्य चल रहा है। इसके लिए सभी टैंकर्स में अनिवार्य रूप से जीपीएस सिस्टम लगाया गया है, साथ ही जिन वार्डों में पानी बांटा गया है, वहां के 10 से 12 लोगों के हस्ताक्षर पुस्तिकाओं करवाए जा रहे हैं। आने वाले दिनो में टैंकर्स की संख्या और बढ़ाई जा सकती है।

दिन-ब-दिन नकारात्मक होती जा रही राजनीतिक नैतिकता

चुनाव की घोषणा से कुछ दिन पहले भारत के चुनाव आयुक्त अरुण गोयल का नाटकीय ढंग से इस्तीफा और राष्ट्रपति द्वारा तत्काल स्वीकार किया जाना असाधारण राजनीतिक परिस्थितियों का द्योतक है। इसी प्रकार, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा चुनाव आयोग को आम जनता की जानकारी के लिए 'चुनावी बांड' के माध्यम से दिए गए धन का खुलासा करने के सर्वोच्च न्यायालय के दिए गए निर्देश का निर्धारित समय सीमा के भीतर सूचित करने से इन्कार करना भी एक बहुत ही गंभीर मामला है। देश के 2 प्रमुख राजनीतिक गठबंधनों, भाजपा के नेतृत्व में एन.डी.ए. और गैर-भाजपा राजनीतिक पार्टियों के 'इंडिया' फ्रंट ने चुनावी गतिविधियां तेजी से शुरू कर दी हैं। उम्मीदवारों का चयन, रैलियां, यात्राएं और सोशल मीडिया के जरिए प्रचार शुरू हो गया है। चुनावी खर्च के लिए हर तरह से वित्तीय संसाधन जुटाए जा रहे हैं।

मंगत राम पासला

2024 का लोकसभा चुनाव निर्णायक रूप से भारत के भविष्य की दिशा तय करेगा। इस चुनाव में मतदाताओं को न सिर्फ नई सरकार चुननी है, बल्कि उन्हें यह जनादेश भी देना है कि देश की राजनीतिक और सामाजिक संरचना क्या होगी और आर्थिक नीतियों की रूपरेखा क्या होगी? जो राजनीतिक दल भारत में एक पारदर्शी, जनता के प्रति जवाबदेह, जनहित के प्रति संयमित और संविधान के प्रति वफादार सरकार स्थापित करना चाहते हैं, उन्हें चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों का चयन करते समय यह ध्यान रखना होगा कि वे लोग इस पर खरे उतरें।

यहां तक कि नैतिक-अनैतिक तरीके से चुनाव जीतना भी उम्मीदवार बनाने की कसौटी नहीं होनी चाहिए, बल्कि अतीत में समाज की भलाई के लिए व्यक्ति द्वारा निभाई गई भूमिका और उसकी ईमानदार जीवनशैली को ध्यान में रखा जाना चाहिए। जैसा कि अतीत में धन और सत्ता की लालसा के तहत रातों-रात राजनीतिक वफादारी बदलने का दौर चलता रहा है, यह एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बहुत हानिकारक है। भारतीय राजनीति के भीतर विचारधारा और राजनीतिक नैतिकता दिन-ब-दिन नकारात्मक होती जा रही है और अवसरवादी तत्व अपने निहित स्वार्थों के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था को नष्ट कर रहे हैं। आगामी लोकसभा चुनाव इस पहलू को सुधारने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकता है।

चुनाव की घोषणा से कुछ दिन पहले भारत के चुनाव आयुक्त अरुण गोयल का नाटकीय ढंग से इस्तीफा और राष्ट्रपति द्वारा तत्काल स्वीकार किया जाना असाधारण राजनीतिक परिस्थितियों का द्योतक है। इसी प्रकार, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा चुनाव आयोग को आम जनता की जानकारी के लिए 'चुनावी बांड' के माध्यम से दिए गए धन का खुलासा करने के सर्वोच्च न्यायालय के दिए गए निर्देश का निर्धारित समय सीमा के भीतर सूचित करने से इन्कार करना भी एक बहुत ही गंभीर मामला है। देश के 2 प्रमुख राजनीतिक गठबंधनों, भाजपा के नेतृत्व में एन.डी.ए. और गैर-भाजपा राजनीतिक पार्टियों के 'इंडिया' फ्रंट ने चुनावी गतिविधियां तेजी से शुरू कर दी हैं। उम्मीदवारों का चयन, रैलियां, यात्राएं और सोशल मीडिया के जरिए प्रचार शुरू हो गया है। चुनावी खर्च के लिए हर तरह से वित्तीय संसाधन जुटाए जा रहे हैं। निस्संदेह, चुनाव व्यय कानून के अनुसार निर्धारित सीमाओं का उल्लंघन होगा और चुनाव आयोग के निर्देशों के विपरीत चुनाव जीतने के लिए धर्म, जाति और धन का दुरुपयोग भी किया जाएगा। हालांकि, जहां तक संभव हो, समग्र रूप से मतदाताओं को संभावित चुनाव धांधली और अनियमितताओं पर सतर्क नजर रखनी चाहिए और बिना किसी प्रलोभन या भय के अपने विवेक से अपने मत का प्रयोग करना चाहिए।

सरकारों के लिए आर्थिक विकास के लिए विभिन्न परियोजनाएं शुरू करना और लोगों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए धन उपलब्ध कराना कोई खैरात नहीं है, न ही यह किसी व्यक्ति या पार्टी विशेष की निजी सम्पत्ति में हिस्सेदारी है। इसका एक खतरनाक पहलू यह है कि किसी भी परियोजना या योजना की घोषणा या उद्घाटन संबंधित विभाग के मंत्री द्वारा नहीं किया जाता है, बल्कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा किया जाता है। इस प्रकार सार्वजनिक

परम्पराओं एवं सामूहिक उत्तरदायित्वों के स्थान पर 'सत्तावादी' प्रवृत्तियां अभिव्यक्त होती हैं।

हर परियोजना और योजना का बजट आम जनता के खून-पसीने की कमाई से जुटाए गए करों से जुड़ा होता है, जिसे सरकारें चुनावों में फायदा उठाने के लिए खूब प्रचारित करती हैं। मतदाताओं को कभी भी इस दुष्प्रचार में नहीं फंसना चाहिए और अपने मत का सही प्रयोग करना चाहिए। मतदान के समय मतदाताओं को यह ध्यान रखना होगा कि नई सरकार को उन लोगों के प्रति मित्रतापूर्ण भूमिका निभानी चाहिए जो पिछड़े देशों की स्वतंत्रता को कमजोर करने वाले साम्राज्यवाद-विरोधी और आक्रामक कार्यों के खिलाफ लड़ रहे हैं।

भारत को दुनिया के सभी देशों के साथ समानता के आधार पर व्यापार और लेन-देन करने का पूरा अधिकार है। लेकिन अमरीका के साथ भारत के सैन्य गठबंधन हर तरह से भारतीय हितों की बलि चढ़ा रहे हैं। यह लोगों के लिए जीवन और मृत्यु का प्रश्न भी है कि क्या भारत के वर्तमान धर्मनिरपेक्ष, लोक राज और संघीय ढांचे को बनाए रखा जाए या इसके स्थान पर किसी विशेष धर्म पर आधारित लोक राज एकात्मक प्रणाली लागू की जाए।

क्या बहुधार्मिक, बहुराष्ट्रीय, बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक भारतीय फुलवारी को एक खास धर्म, विचारधारा और राजनीतिक रंग में रंगना लोगों के हितों के लिए घातक नहीं होगा? क्या धार्मिक कट्टरता, आपसी अविश्वास, संघर्ष और असहिष्णुता के कारण देश में बना ड्क्षहसक, साम्प्रदायिक माहौल अशांति और कलह को जन्म नहीं देगा? ऐसा करने से देश की एकता और अखंडता पर पडऩे वाले नकारात्मक प्रभाव को भी ध्यान में रखना होगा। मतदाता को अपने मत का प्रयोग करते समय देश के व्यापक हितों की रक्षा और मजबूती को प्राथमिकता देनी होगी। धर्म के आधार पर बनी राजनीतिक-सामाजिक संरचना न केवल अपने उदार विचारों और प्रथाओं के लिए जानी जाने वाली बहुसंख्यक हिन्दू आबादी, धार्मिक अल्पसंख्यकों, दलितों, महिलाओं और प्रगतिशील विचारकों के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है, बल्कि तथाकथित धार्मिक राज्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करेगी।

दुनिया के सामने भारत की स्थिति बेहद कमजोर और हास्यास्पद न हो जाए इसलिए यह बात हर मतदाता की सोच का केन्द्र बिन्दू होनी चाहिए कि भविष्य में बनने वाली सरकार को इन सवालों के प्रति संवेदनशील और गंभीर होना चाहिए। अगर हम भी पाकिस्तान के बाशिंदों की तरह एक बार धार्मिक आस्था के वेग में बहकर देश की राजनीति को खास धर्म के साथ जोडऩे का आत्मघाती फैसला ले लें तो हम भारत में शायद कई सदियों तक मनुष्य के हाथों मनुष्य की लूट के खात्मे वाला, समानता, आजादी और सद्भावना के नियमों पर आधारित देश न बना सकें। एक राजनीतिक गलती भारी उथल-पुथल और तूफान का कारण बन सकती है। इन खतरों से सचेत होकर ही वोट का प्रयोग करना चाहिए। एक ओर चिंताजनक रूप से बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी, मुद्रास्फीति, कुपोषण, दयनीय जीवन स्थितियां और सामाजिक सुरक्षा का अभाव तथा दूसरी ओर मुट्ठी भर कॉर्पोरेट घरानों और अमीर दिग्गजों की सम्पत्ति की वास्तविकताएं, नई सरकार के लिए बड़ी चुनौतियां हैं।

कार्पोरेट घरानों का जो 15 लाख करोड़ का कर्ज माफ किया गया है, उसका उपयोग वास्तविक जरूरतमंदों यानी आम लोगों का कर्ज माफ करने और पूरी आबादी को एक समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं तथा सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने में किया जा सकता था। चुनाव के समय मतदाताओं को वर्तमान भाजपा सरकार और गैर-भाजपा राजनीतिक दलों की आर्थिक नीतियों के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। कॉमन फ्रंट 'इंडिया' द्वारा प्रस्तावित भविष्य के कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। यह आम चुनाव 1.4 अरब लोगों के देश में 10 फीसदी से ज्यादा मजदूर-किसान, मध्यम वर्ग के लोग, युवा, छोटे लोगों के लिए है। वोट का प्रयोग धर्म, जाति, नस्ल या भाषा या क्षेत्र के आधार पर नहीं, बल्कि देश को अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय तौर पर सुदृढ़ करने हेतु होना चाहिए।

निगमायुक्त वर्मा शहर की सफाई से संतुष्ट नहीं

इंदौर। शहर की वर्तमान सफाई व्यवस्था से मैं संतुष्ट नहीं हूं। हालांकि यह बात भी सही है कि यह एक दिन का काम नहीं है। रोजाना की चुनौती है। हम प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्र में निरीक्षण कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि हम स्वच्छता के सभी प्रोजेक्ट को शत प्रतिशत क्षमता से चलाएं। इंदौर स्वच्छता के मुकाम में बहुत ऊंचे स्थान पर है और हमें इसे बनाए रखना है। हमें हमेशा बेहतर से और बेहतर की तरफ काम करना चाहिए। ऐसा करके ही हम शत प्रतिशत पा सकते हैं।यह बात निगमायुक्त शिवम वर्मा ने मंगलवार को मीडिया से चर्चा में कही। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द हमें डोर टू डोर कचरा संग्रहण के लिए नए वाहन मिलने वाले हैं। इसके बाद स्थिति में और सुधार होगा। वर्मा मंगलवार सुबह औचक निरीक्षण पर जोन 16 पहुंचे। उन्होंने जोन कार्यालय के कंट्रोल रूम निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिकायत पंजी भी देखी। इसमें सिरपुर के एक शिकायतकर्ता छोटू को फोन लगाकर निगमायुक्त ने सीधे बात की।

शिकायतकर्ता छोटू ने निगमायुक्त को बताया कि उन्होंने ड्रेनेज की शिकायत की थी, जिसका निराकरण हो गया है। इस पर निगमायुक्त ने छोटू से पूछा कि क्या आप निराकरण से संतुष्ट हो। इस पर छोटू ने स्वीकृति दी। निगमायुक्त ने सफाई व्यवस्था की जानकारी ली और शिकायतकर्ता से कहा कि आप भी स्वच्छता बनाए रखने और स्वच्छता में सहयोग करें।निगमायुक्त जोनल कार्यालय के सभी विभागों में पहुंचे। उन्होंने राजस्व विभाग में आय के संबंध में जानकारी ली गई। जल यंत्रालय विभाग में उन्होंने पूछा कि जलप्रदाय की शिकायतें किस प्रकार की आती हैं। गंदे पानी की शिकायत का निराकरण करने का तरीका क्या होता है। निगमायुक्त जोनल कार्यालय के सुविधाघर भी देखने गए। उन्होंने कार्यालय की रंगाई-पुताई कराने और प्रांगण में ब्लाक लगाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सीएसआइ से कहा कि डोर टू डोर कचरा संग्राहक वाहनों को निर्धारित समय पर फील्ड में निकालें और इन वाहनों की धुलाई-सफाई भी कराते रहें।

गोबर धन खाद और गोशाला के लिए कार्ययोजना तैयार करने के लिए कहा

निगमायुक्त वर्मा ने मंगलवार सुबह सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के साथ यशवंत सागर रोड, रेशम केंद्र के पास स्थित निगम की गोशाला का निरीक्षण किया। निगमायुक्त ने निरीक्षण की शुरुआत मधुमिलन चौराहे से की। आरएनटी मार्ग, रीगल तिराहा, राजकुमार ब्रिज, डीआरपी लाइन, भंडारी ब्रिज चौराहा, पोलोग्राउंड रोड, मरीमाता चौराहा, किला मैदान चौराहा, वीआइपी रोड, 60 फीट रोड, एयरपोर्ट रोड, गांधीनगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फुटपाथ पर लगे लिटरबीन की सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। वे रेशम केंद्र गोशाला पहुंचे। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी एवं गोशाला प्रभारी डा. अखिलेश उपाध्याय ने निगमायुक्त को बताया कि यहां आने वाली गाय को अलग-अलग शेड में रखा जाता है। गोशाला में दुर्घटनाग्रस्त एवं बीमार गायों के उपचार के लिए केंद्र भी बनाया गया है। निगमायुक्त ने इस गोशाला को बेहतर और सुविधाजनक बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के भी संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए और कहा कि गोशाला से प्रतिदिन बड़ी मात्रा में निकलने वाले गोबर धन के लिए उपयोग और किसानों एवं अन्य को उपलब्ध कराने के लिए भी आवश्यक कार्रवाई की जाए।

लवकुश चौराहा पर सिक्स लेन ओवरब्रिज के साथ-साथ प्रदेश का पहला बड़ा डबल डेकर फ्लाईओवर भी किया जा रहा निर्मित

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा लवकुश चौराहा पर सिक्स लेन ओवरब्रिज के साथ-साथ प्रदेश का पहला बड़ा डबल डेकर फ्लाईओवर भी निर्मित किया जा रहा है। 1452 मीटर लंबाई और 21 मीटर से ज्यादा ऊंचाई के इस फ्लाईओवर पर 175 करोड़ रुपए की बड़ी राशि खर्च हो रही है और यह अब तक का सबसे महंगा फ्लाईओवर साबित होगा। पहली बार 24 मीटर के विशाल स्पान तैयार किए जाएंगे और अभी पाइल खुदाई का काम तेज गति से चल रहा है। अप्रैल के आखिर तक फाउंडेशन का काम पूरा हो जाएगा।

डबल डेकर फ्लॉयओवर से भी मेट्रो लाइन गुजरेगी और प्रदेश का यह सबसे विशाल-अनूठा डबल डेकर होगा। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा इसका निर्माण कराया जा रहा है, जिस पर लगभग 175 करोड़ रुपए की बड़ी राशि खर्च होगी। दोनों तरफ 12-12 मीटर चौड़ी सडक़ें भी रहेगी। अभी शहर में जो ओवरब्रिज बन रहे हैं उनकी अधिकतम ऊंचाई 12 मीटर तक रहती है। इस डबल डेकर ब्रिज की ऊंचाई लगभग दो गुनी यानी 23 मीटर रहेगी। अभी डबल डेकर के लिए पाइल खुदाई का काम तेज गति से चल रहा है। वहीं पहली बार 24 मीटर ऑब्लिगेटरी स्पॉन सिंगल पिलर पर तैयार किए जाएंगे। अभी जो ओवरब्रिज बन रहे हैं उनमें 12 मीटर पर एक पिलर आता है। कुल 24 स्पॉन इस डबल डेकर के लिए तैयार किए जाना है। वहीं 220 पाइल में से 125 पूर्ण हो चुकी है और अप्रैल अंत तक फाउंडेशन का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती
शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हैल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

एचडीएफसी बैंक ने एचडीएफसी क्रेडिला में अपनी हिस्सेदारी बेची, 9552 करोड़ रुपये में हुआ सौदा

नई दिल्ली, एजेंसी। एचडीएफसी बैंक ने बुधवार को बताया कि उसने अपनी शिक्षा वित्त इकाई एचडीएफसी क्रेडिला में अपनी हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। यह बिक्री निजी इक्विटी फर्मों बीपीईए ईक्यूटी और क्रिस कैपिटल को 9,552.73 करोड़ रुपये में की गई है। पिछले साल जून में घोषित यह सौदा आवास ऋणदाता हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्प के एचडीएफसी बैंक के साथ विलय के पूरा होने से पहले अनिवार्य नियामकीय आवश्यकताओं का हिस्सा था। यह सौदा एचडीएफसी बैंक की अगले महीने होने वाली चौथी तिमाही के नतीजों से पहले हुआ है। एचडीएफसी बैंक ने तीसरी तिमाही में उम्मीदों से अधिक लाभ दर्ज किया, लेकिन विश्लेषकों ने इसके कमजोर मार्जिन और लिक्विडिटी से जुड़ी चुनौतियों पर चिंता जाहिर की, जिससे इसके शेयर मूल्य में उल्लेखनीय गिरावट दिखी।

डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में बंपर बढ़ोतरी, 20 प्रतिशत बढ़कर 18.90 लाख करोड़ पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष में 17 मार्च तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह (डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन) 19.88 फीसदी बढ़ा है। यह बढ़कर 18.90 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। आयकर विभाग ने यह जानकारी दी। आयकर विभाग के निकाय केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक बयान में कहा कि 17 मार्च तक कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 18,90,259 करोड़ रुपए रहा है। इसमें 9,14,469 करोड़ रुपए कॉरपोरेट टैक्स और व्यक्तिगत आयकर के अलावा 9,72,224 करोड़ रुपए का सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) भी शामिल है। इसके साथ चालू वित्त वर्ष में 17 मार्च तक करीब 3.37 लाख करोड़ रुपए का रिफंड भी जारी किया जा चुका है। सकल आधार पर रिफंड समायोजन से पहले कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 22.27 लाख करोड़ रुपए था। यह एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 18.74 फीसदी ज्यादा है। सीबीडीटी ने कहा, वित्त वर्ष 2023-24 में 17 मार्च तक प्रत्यक्ष कर संग्रह के अस्थायी आंकड़े बताते हैं कि शुद्ध टैक्स संग्रह 18,90,259 करोड़ रुपए है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 15,76,776 करोड़ रुपए था। यह वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 19.88 फीसदी अधिक है। सरकार ने प्रत्यक्ष कर संग्रह के संशोधित अनुमान में पूरे वित्त वर्ष के लिए प्राप्तियां 19.45 लाख करोड़ रुपए रहने की उम्मीद जताई है। ज्यादा टैक्स कलेक्शन से सरकार के पास खर्च करने के लिए ज्यादा पैसे होंगे। इससे सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के लिए इस पैसे का इस्तेमाल कर सकती है। ज्यादा टैक्स कलेक्शन से सरकार का राजकोषीय घाटा कम होगा। इससे अर्थव्यवस्था में स्थिरता आएगी। सरकार इस पैसे का उपयोग आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कर सकती है।

जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट हब : डीएवीवी सहित देशभर के 25 शैक्षणिक संस्थान मिलकर करेंगे काम

इंदौर। जी-20 देशों की मेजबानी करने के दौरान भारत ने यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम की नींव रखी थी। अब इस शृंखला को आगे बढ़ाते हुए देशभर की 25 शैक्षणिक संस्थानों का एक समूह बनाया है, जो विभिन्न अनुसंधान क्षेत्रों में ध्यान केंद्रित करेंगे। ये संस्थाएं विश्वभर को प्रभावित करने वाले वैश्विक मुद्दों, व्यापार और निवेश, महिला व बाल विकास से जुड़े विषयों पर मिलकर काम करेंगी। साथ ही संस्थागत इंटर्नशिप का आयोजन किया जाएगा। संस्थानों के इस समूह में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को भी चुना गया है।दरअसल भारत को सितंबर 2023 में जी-20 की अध्यक्षता और मेजबानी का मौका मिला था, जिसमें जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट प्रोग्राम का उद्देश्य युवाओं के बीच वैश्विक मुद्दों को लेकर समझ को और गहरा करना था। तब यह जिम्मेदारी 101 विश्वविद्यालयों को मिली थी। इस दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले 25 विश्वविद्यालयों का एक समूह बनाया गया है। इसके माध्यम से वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के बाद निष्कर्ष तक पहुंचना है।अधिकारियों के मुताबिक, जी-20 की अध्यक्षता के समापन के बाद केंद्र सरकार ने यूनिवर्सिटी कनेक्ट हब÷ की स्थापना की गई, ताकि जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट प्रोग्राम को आगे बढ़ाया जा सके। वे बताते हैं कि यूनिवर्सिटी कनेक्ट हब वाले संस्थान को अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआइएस) और विदेश मंत्रालय की तरफ से मार्गदर्शन दिया है।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डा. कन्हैया आहूजा को समन्वयक बनाया गया है। डा. अहूजा बताते हैं कि यूनिवर्सिटी कनेक्ट हब में शामिल संस्थानों को शिक्षा, महिला व बाल विकास, पर्यावरण, निवेश, राजनीति समेत अन्य बिंदुओं पर शोध व अध्ययन करना है। सभी संस्थानों के विद्यार्थियों मिलकर काम कर सकेंगे। इसके अलावा संस्थान अपने संसाधन भी आपस में आदान-प्रदान कर सकेंगे। वहीं यहां पढ़ने वाले शिक्षक भी अन्य संसाधनों में जाकर रिसर्च में मदद कर सकेंगे। वे कहते हैं कि अनुसंधान, सहयोग और अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव के लिए मूल्यवान अवसर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में मंत्रालय के साथ मिलकर भी काम किया जाएगा।

इंदौर जिले के 11 सीएम राइज स्कूलों को फ्री में मिलेगी स्कूल बस की सुविधा

इंदौर। जिले के ग्यारह सीएम राइज स्कूलों के छात्र जून में नए शैक्षणिक सत्र से स्कूल बस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। यह पहली बार होगा जब शहर में सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए स्कूल बसें चलाई जाएंगी। इंदौर शहर में सात और इंदौर ग्रामीण में चार सीएम राइज स्कूलों के लिए 100 से अधिक बसें चलाई जाएंगी। शिक्षा विभाग ने रूट मैप तैयार करने के लिए सीएम राइज स्कूल के प्राचार्यों से छात्रों की सूची रूट सहित जमा करने को कहा है। निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

ट्रांसपोर्ट समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे और नियम व शर्तों पर चर्चा की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी मंगलेश व्यास ने बताया कि छात्रों के लिए बस सुविधा निःशुल्क उपलब्ध होगी। स्कूल के 2 किमी के दायरे से बाहर रहने वाले छात्र इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे। जिला शिक्षा विभाग सीएम राइज स्कूलों में स्कूल बसें चलाने के लिए ट्रांसपोर्टरों को लाने की कोशिश कर रहा था और कई बार टेंडर भी जारी कर चुका था,

लेकिन ट्रांसपोर्टर नहीं मिल सका। व्यास के मुताबिक छात्रों के लिए बस सुविधा मुफ़्त है और इस सुविधा के लिए एजेंसी प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि यह उनके लिए बहुत लाभदायक नहीं हो सकता है।

देवास में सीएम राइज स्कूल ने कुछ महीने पहले अपने छात्रों के लिए यह सुविधा शुरू की थी, जिसे छात्रों के साथ-साथ अभिभावकों का भी समर्थन और सराहना मिली थी।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन स्कूलों से दूर रहने वाले जिन विद्यार्थियों को स्कूल पहुंचने में दिक्कत हो रही थी, उन्हें इस सुविधा से काफी हद तक फायदा होगा।

लोकसभा चुनाव का असर - यूपीएससी के बाद सीए की परीक्षा भी स्थगित

शिक्षा। यूपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा 2024 के बाद, लोकसभा चुनाव के चलते चार्टर्ड अकाउंटेंट परीक्षा भी स्थगित कर दिया गया है. इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मई में आयोजित होने वाली परीक्षा की तारीखों में बदलाव किया है. आईसीएआई ने परीक्षा स्थगित करने के बाद संशोधित परीक्षा का शेड्यूल भी जारी कर दिया है. स्टूडेंट्स आधिकारिक वेबसाइट icai.org पर जाकर रिवाइज्ड शेड्यूल चेक कर सकते हैं संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, सीए इंटरमीडिएट कोर्स ग्रुप 1 की परीक्षा 3, 5 और 9 मई को आयोजित की जाएगी. वहीं ग्रुप 2 की परीक्षा 11, 15 और 17 मई 2024 को आयोजित की जाएगी. इसी तरह सीए फाइनल एग्जाम ग्रुप 1 - 2, 4 और 8 मई को होगा और ग्रुप-2- 10, 14 और 16 मई को आयोजित किया जाएगा. वहीं अंतर्राष्ट्रीय कराधान-आकलन परीक्षा 14 और 16 मई 2024 को आयोजित की जाएगी एग्जाम टाइम टेबल को रिवाइज्ड करने का फैसला शनिवार को चुनाव आयोग द्वारा अप्रैल-जून 2024 में 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद लिया गया. 543 लोकसभा सीटों के लिए मतदान सात चरणों में होगा, पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को और वोटों की गिनती 4 जून को होगी. आईसीएआई ने कहा, %यह भी ध्यान दिया जा सकता है कि ऊपर उल्लिखित परीक्षा कार्यक्रम के किसी भी दिन केंद्र सरकार या किसी राज्य सरकार/स्थानीय प्राधिकरण द्वारा सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने की स्थिति में परीक्षा कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं होगा।

हैवेल्स लॉयड के डिजाइनर उत्पादों की रेंज लेकर आई, कहा- घरेलू बाजार के साथ ग्लोबल मार्केट पर भी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। हैवेल्स कंपनी लॉयड ब्रांड के तहत अपने उत्पादों की निर्यात क्षमता बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। कंपनी ने मंगलवार को एसी, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन और टेलीविजन की नई रेंज पेश करते हुए इसकी जानकारी दी। मीडिया से बातचीत के दौरान हैवेल्स इंडिया के कार्यकारी निदेशक योगेश कुमार गुप्ता ने कहा कि कंपनी ने आंध्र प्रदेश के श्री सिटी में अपनी नई विनिर्माण इकाई के पहले चरण में अब तक लगभग 400 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिसके बाद इसकी क्षमता 20 लाख यूनिट्स से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा, हमारे पास अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए बड़ी योजनाएं हैं। हमने श्री सिटी में अपना दूसरा संयंत्र लगाया है, जो चेन्नई बंदरगाह के बहुत निकट है। हम पहले से ही मध्य पूर्व, सार्क देशों और अफ्रीकी देशों को निर्यात कर रहे हैं। हमने अमेरिका को निर्यात भी शुरू कर दिया है।

नया प्लांट शुरू होने से ग्लोबल बाजार में मौजूदगी बढ़ाने में मिलेगी मदद : उन्होंने कहा, पहले हमारे पास सिर्फ एक प्लांट था और उस प्लांट में सालाना 10 लाख एसी बनाने की क्षमता थी, इसलिए हम घरेलू बाजार पर अधिक फोकस कर रहे थे। अब अतिरिक्त प्लांट शुरू हो जाने से हमें देश के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी पैठ बढ़ाने में मदद मिलेगी।

डिजाइनर उत्पादों की नई रेंज लेकर आई कंपनी : हैवेल्स ने लॉयड ब्रांड के तहत मंगलवार को अपने पोर्टफोलियो में एसी मॉडलों की एक नई रेंज पेश की। लॉयड बाजार में पहली बार डिजाइनर स्टेलर और स्टाइलस एयर कंडीशनर रेंज लेकर आई है। कंपनी ने साथ ही में रैपिड कूल टेक्नोलॉजी से लैस रेफ्रिजरेटर भी पेश किया है। कंपनी का दावा है कि यह केवल 29 मिनट में पानी को बर्फ में बदल सकता है। जबकि अन्य ब्रांड्स के रेफ्रिजरेटर्स में बर्फ बनने में कम से कम घंटे का समय लगता है। इसके अलावे, लॉयड नोवान्टे फुली ऑटोमैटिक वाशिंग मशीन भी लेकर आई है।

एक और टेलीकॉम कंपनी की एंट्री, एयरटेल की कंपनी के आईपीओ के लिए सेबी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार में जल्द ही एक और टेलीकॉम कंपनी की एंट्री होने वाली है। भारती एयरटेल की सब्सडियरी भारती हेक्साकॉम को आईपीओ के जरिए धन जुटाने के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है। ओएफएस के तहत, टेलीकॉम कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड द्वारा 10 करोड़ इक्विटी शेयर बेचे जाएंगे। हेक्साकॉम के आईपीओ में कोई नया शेयर जारी नहीं किया जाएगा और यह पूरी तरह से ऑफर-फॉर-सेल पर आधारित होगा। ओएफएस के जरिए कंपनी की इकलौती पब्लिक शेयरहोल्डर, टेलीकम्युनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड अपने 10 करोड़ शेयरों को बेचेगी। यानी की आईपीओ से मिलने वाली पूरी धनराशि कंपनी के पास न जाकर, टेलीकॉम कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड के पास जाएगी। सेबी ने इसके आईपीओ आवेदन पर 11 मार्च को ऑब्जर्वेशन लेटर जारी किया था। कंपनी राजस्थान और पूर्वोत्तर में टेलीकॉम सेवाएं मुहैया कराती है। भारती एयरटेल के पास कंपनी की 70 प्रतिशत इक्विटी शेयर पूंजी है और टेलीकम्युनिकेशन कंसल्टेंट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड के माध्यम से सरकार के पास 30 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह ग्राहकों की संख्या के मामले में टॉप ग्लोबल मोबाइल ऑपरेटरों में से एक है और वित्त वर्ष 2023 तक राजस्व के मामले में भारत का सबसे बड़ा इंटीग्रेटेड कम्यूनिकेशन सर्विस प्रोवाइडर है।

चीन की रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड ने किया सबसे बड़ा घोटाला, रेवेन्यू को दिखाया 78 अरब डॉलर बढ़ाकर

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन में अब तक का सबसे बड़ा फाइनेंशियल फ्रॉड सामने आया है। देश के रेगुलेटर्स ने दिवालिया हो चुकी रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड और उसके फाउंडर पर रेवेन्यू को 78 अरब डॉलर बढ़ाकर दिखाने का आरोप लगाया है। इसे देश का अब तक का सबसे बड़ा घोटाला माना जा रहा है। एवरग्रैंड दुनिया में सबसे ज्यादा कर्ज में डूबी कंपनी है। इस पर 300 अरब डॉलर से ज्यादा कर्ज है। 2021 में कंपनी ने कर्ज के भुगतान में डिफॉल्ट किया था जिसके बाद चीन में रियल एस्टेट का संकट खड़ा हो गया। चीन की इकॉनमी में रियल एस्टेट की हिस्सेदारी करीब 30 फीसदी है। इससे पूरी इकॉनमी के डूबने का खतरा पैदा हो गया है।

चीन के सिक्योरिटीज रेगुलेटरी कमीशन ने एवरग्रैंड ग्रुप की प्रमुख कंपनी हेंगदा रियल एस्टेट पर 58 करोड़ डॉलर का जुर्माना लगाया है। एवरग्रैंड ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन एक्सयू जैयिन पर 65 लाख डॉलर की पेनल्टी लगाई गई है। उन पर कंपनी के फाइनेंशियल स्टेटस को बढ़ाचढ़ाकर दिखाने और नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। कभी चीन के सबसे बड़े रईस रहे एक्सयू जैयिन को हमेशा के लिए सिक्योरिटीज मार्केट से प्रतिबंधित कर दिया गया है। आयोग ने करीब आठ महीने तक चली जांच के बाद एवरग्रैंड की करतूतों को उजागर किया है। जनवरी में हॉन्ग कॉन्ग के एक कोर्ट ने एवरग्रैंड को बेचने का ऑर्डर दिया था।

कंपनी पर अपनी फाइनेंशियल रिपोर्ट्स में सेल्स को बढ़ाचढ़ाकर दिखाने का आरोप है। इस आधार पर कंपनी ने अपने बॉन्ड बेचे थे। रेगुलेटर के मुताबिक हेंगदा ने 2019 में 30 अरब डॉलर की सेल दिखाई थी जो उसके रेवेन्यू का करीब आधी थी। इसी तरह कंपनी ने 2020 में 48.6 अरब डॉलर की सेल दिखाई थी जो उसके रेवेन्यू का 78 परसेंट थी। लेकिन जांच में पता चला कि कंपनी ने आंकड़ों को बढ़ाचढ़ाकर पेश किया था। इस तरह 2019 में कंपनी का प्रॉफिट 63 फीसदी और 2020 में 87 फीसदी बढ़ाकर दिखाया गया था। इस तरह कंपनी ने दो साल में 78 अरब डॉलर की धोखाधड़ी की जो चीन के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा घोटाला है।

छह महीने बाद डीएवीवी ने परीक्षा के लिए कॉपी खरीदने की प्रक्रिया शुरू की, टेंडर जारी

इंदौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में परीक्षा के लिए कॉपी की कमी काफी समय से बनी हुई है। छह महीने बाद यूनिवर्सिटी ने कॉपी खरीदने की प्रक्रिया शुरू की है। टेंडर जारी हो चुके हैं। अगले हफ्ते एजेंसियों के प्रस्ताव पर मंथन किया जाएगा। उसके बाद एजेंसी तय होगी। अधिकारियों के मुताबिक, एजेंसी को तीन महीने के भीतर दो लाख कॉपी सप्लाई करना होगी।

यूनिवर्सिटी में नवंबर से कॉपी की कमी बनी है। स्टॉक में रखी उत्तर पुस्तिकाओं से इन दिनों काम चल रहा है। लोकसभा चुनाव की वजह से यूनिवर्सिटी अभी केवल अंडर ग्रेजुएशन फाइनल ईयर की परीक्षा करवा रहा है। चुनाव खत्म होने के बाद बाकी कोर्सेस की परीक्षाएं करवाई जाएगी। इसमें कॉपी की जरूरत होगी। यूनिवर्सिटी ने फरवरी में टेंडर निकाला था, लेकिन दस दिन बाद टेंडर से जुड़ी शर्तों में संशोधन करना पड़ा। बाद में फिर प्रक्रिया शुरू की गई। इन दिनों एजेंसियों को तकनीकी पहलुओं पर परखा गया। यह प्रक्रिया अप्रैल दूसरे सप्ताह तक खत्म होगी।

कॉपी खरीदने में यूनिवर्सिटी ने पिछले साल एजेंसी को अपने कागज की गुणवत्ता साबित करने के निर्देश दिए थे। इसके लिए कागज से संबंधित लैब की जांच रिपोर्ट खुद करवा देना थी। वह रिपोर्ट भी यूनिवर्सिटी में जमा हुई। फिर एजेंसी को तय किया गया। यह शर्तें पिछली बार भी रखी थी। उसे लेकर प्रक्रिया पर सवाल खड़े हुए थे। विवाद खड़ा न हो इसके लिए शर्तों में फेलबदल किया है।

सबसे लंबा डोसा बना एमटीआर फूड्स ने दर्ज किया रेकॉर्ड, छोटे से रेस्तरां से हुई थी शुरुआत, आज करोड़ों में कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। एमटीआर फूड्स ने दुनिया का सबसे लंबा डोसा बनाकर एक नया गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाया है। एमटीआर फूड्स ने करीब 123 फुट लंबा डोसा बनाया है। कंपनी ने यह उपलब्धि अपनी 100वीं वर्षगांठ पर हासिल की है। इस सबसे लंबे डोसे को बनाने के लिए शेफ की एक टीम ने मिलकर काम किया। यह रेकॉर्ड बेंगलुरू में एमटीआर की फैक्ट्री में बनाया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इस डोसे का वीडियो पोस्ट किया गया है। शेफ की टीम का नेतृत्व रेगी मैथ्यू ने किया था। वीडियो में डोसे को पकते हुए भी देखा जा सकता है। एमटीआर फूड्स ने लोरमन किचन इक्विपमेंट्स के साथ मिलकर ये डोसा तैयार किया है, जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा दुनिया के सबसे लंबे डोसे का खिताब मिला, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एमटीआर फूड्स की शुरुआत एक छोटे से रेस्तरां से हुई थी। ये बात साल 1924 की है। तीन भाई परमेश्वर मैया, गणप्पय्या मैया और यज्ञनारायण मैया खाना पकाने में माहिर थे। वह गांव से शहर आकर कई अमीर घरानों में रसोइए के रूप में काम करने लगे थे। तीनों ने करीब 4 वर्षों तक बतौर कुक काम किया था। तीनों भाइयों ने कुक का काम छोड़कर बेंगलुरु के लालबाग रोड इलाके में एक छोटा सा रेस्टोरेंट शुरू किया। इसे ब्राह्मण कॉफी क्लब नाम दिया गया। यहां पर सिर्फ इडली और कॉफी परोसी जाती थी। लोगों के बीच ये छोटा सा रेस्टोरेंट बहुत जल्द ही मशहूर हो गया। गणप्पय्या की मौत के बाद दोनों भाई इसी काम को संभालते रहे। साल 1951 में यज्ञनारायण यूरोप ट्रिप पर ये जानने के लिए निकले की रेस्टोरेंट कैसे चलाया जाता है। इसके बाद उन्होंने वापस आकर अपने रेस्टोरेंट का नाम बदलकर मावली टिफिन रूम यानी एमटीआर कर दिया। यहां पर लोगों को कम कीमत पर अच्छी क्वालिटी मिलती थी।

दो डिवीजन में बंटी कंपनी

साल 1994 में कंपनी दो डिवीजन में बांट दी गई। इसमें एक रेस्टोरेंट और दूसरा पैकेज्ड फूड। आज ये कारोबार एक इंटरनेशनल फूड चेन और मशहूर पैकेज्ड फूड ब्रांड बन चुका है। कम कीमत पर हाई क्वालिटी फूड की वजह से एमटीआर लोगों के बीच काफी फेमस है। आज ये कारोबार करोड़ों रुपयों में पहुंच चुका है।

सीयूईटी यूजी में कोई फेरबदल नहीं, 26 मार्च के बाद जारी होगा दो तारीखों का एग्जाम शेड्यूल

शिक्षा। अंडर ग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट 2024 इस साल 15 से 31 मई के बीच आयोजित किया जाएगा. लोकसभा चुनाव 2024 के चलते इस शेड्यूल में कोई फेरबदल नहीं किया जाएगा.सीयूईटी यूजी एग्जाम शेड्यूल को लेकर यूजीसी अध्यक्ष प्रोफेसर जगदीश कुमार ने अहम जानकारी दी है.

● 26 मार्च के बाद जारी होगी दो तारीखों का एग्जाम शेड्यूल

यूजीसी अध्यक्ष ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट %एक्स% पर ट्वीट कर जानकारी दी कि एनटीए पहले से तय सीयूईटी यूजी एग्जाम शेड्यूल के तहत ही 15 से 31 मई 2024 के बीच परीक्षा आयोजित करेगा. लोकसभा चुनाव के दौरान दो तारीख 20 और 25 मई ही ओवरलैप हो रही हैं. इन पर विचार करके रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया संपन्न होने के बाद एग्जाम शेड्यूल जारी कर दिया जाएगा।

Cert-In flags multiple vulnerabilities in AppleÓs iPhone, iPad operating systems

The Indian Computer Emergency Response Team (Cert-In) has flagged multiple vulnerabilities in AppleÓs iPhone and iPad operating systems which could allow an attacker to trigger denial of service conditions, e&ecute arbitrary code or bypass security restrictions of the targeted device.

In an advisory, the nodal agency for computer-related vulnerabilities said that all operating software available for iPhone }, iPhone } plus, iPhone X, iPhone XS, iPad zth generation and other devices were vulnerable to such attacks. The device maker has, however, released a patch for these vulnerabilities and urged users to update their devices accordingly.

Earlier in December, Cert-In had warned of multiple vulnerabilities in Samsung phones which could allow attackers to potentially bypass security restrictions and access sensitive information present on the targeted device.

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में बनाएं करियर

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं:

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- बीमा क्षेत्र
- वित्तीय संस्थाए
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

लाइब्रेरी सांइस में क्या है करियर स्कोप

स्कूल कॉलेज हों या फिर सरकारी व प्राइवेट संस्थान हर जगह डॉक्यूमेंट्स को संभालने व संरक्षण करने के लिए लाइब्रेरी का उपयोग होता है। इस लाइब्रेरी में किताबों की देखभाल करने वाले को लाइब्रेरियन कहा जाता है।

अगर आपको भी किताबों से प्यार है और ज्ञान के भंडार के बीच अपना समय बीताना चाहते हैं, तो लाइग्रेरियन बन सकते हैं, इसके लिए आपको लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करना पड़ेगा, जिसके बाद आप लाइब्रेरी अटेंडेंट, लाइब्रेरी असिस्टेंट, जूनियर लाइब्रेरियन और लाइब्रेरियन जैसे पदों पर रहकर अच्छा करियर बना सकते हैं।

क्या है लाइब्रेरी सांइस का कोर्स

लाइब्रेरी साइंस का दायरा काफी बड़ा है, आज के समय यह एक हाईटेक कार्य के रूप में जाना जाता है। इसलिए इसमें करियर के अवसर भी काफी ज्यादा नजर आ रहे हैं। इस कोर्स के तहत छात्रों को लाइब्रेरी और इंफॉर्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट, डॉक्यूमेंटेशन, मैनुस्क्रिप्ट, कैटलॉग, बिबलियोग्राफी आदि के बारे में पढ़ाया जाता है। इस क्षेत्र में अगर आप करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको कंप्यूटर की बेसिक जानकारी भी होना जरूरी है। क्योंकि आजकल सारे डेटा और रिकॉर्ड कंप्यूटर पर ही रखे जाते हैं।

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स

अगर आप लाइब्रेरी साइंस में करियर बनाना चाहते हैं तो आप डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इसके लिए कैंडिडेट्स को किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास होना चाहिए। वहीं बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस या बैचलर इन लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस के लिए आपको किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट होना होगा। बैचलर करने के बाद आम मास्टर इन लाइब्रेरी साइंस भी कर सकते हैं। इसके बाद आप एमफिल या पीएचडी कर रिसर्च या टीचिंग के सेक्टर में भी जा सकते हैं।

करियर स्कोप क्या है

लाइब्रेरी साइंस में इस समय जॉब्स की कमी नहीं है, लाइब्रेरी साइंस में ग्रेजुएट होने के बाद आप सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर में जॉब कर सकते हैं। जिस तरह से दिन- प्रतिदिन यूनिवर्सिटी और कॉलेज की संख्या बढ़ रहा है, ठीक उसी प्रकार इस सेक्टर में जॉब के अवसर भी बढ़ रहे हैं। आप किसी भी स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, प्राइवेट संस्थान, प्राइवेट लाइब्रेरी, म्यूजियम आदि में लाइब्रेरियन के तौर पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा न्यूजपेपर और न्यूज चैनल्स में भी लाइब्रेरियन की नियुक्ति की जाती हैं। अब तो कॉरपोरेट कंपनियों में भी लाइब्रेरी को प्रमोट किया जाता है, ऐसे में यहां पर भी अच्छी सैलेरी के साथ जॉब मिल सकती है। अब जमाना डिजिटल हो चुका है, इसलिए अब ऑनलाइन लाइब्रेरी या कंप्यूटर लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी का चलन तेजी से बढ़ा है।

करियर ऑप्शन क्या है

अब लाइब्रेरी साइंस काफी विकसित सेक्टर के रूप में जाना जाता है। जिसकी जरूरत हर जगह पर पड़ती है। जिसके कारण इस क्षेत्र में करियर के अनेक ऑप्शन हैं। आप कोर्स पूरा कर निम्न पदों पर रहकर करियर बना सकते हैं। जिसमें जूनियर लाइब्रेरियन, सहायक लाइब्रेरियन, डिप्टी लाइब्रेरियन, लाइब्रेरियन, लाइब्रेरी अटेंडेंट, पुस्तकालय सहायक, शोधकर्ता व वैज्ञानिक, सलाहकार, तकनीकी सहायक, अभिलेख प्रबंधक, सूचना केंद्र का प्रमुख, वरिष्ठ सूचना विश्लेषक, कानून लाइब्रेरियन, इंडेक्सर, सूचना वास्तुकार, पुरालेखपाल शामिल है।

कितनी मिलती है सैलरी

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स करने के बाद आप प्रेशर के तौर पर 20 से 30 हजार रूपए कमा सकते हैं, इसके बाद जिस तरह से आपका अनुभव बढ़ेगा, उसी के अनुसार आपका पद और वेतन भी बढ़ेगा। वहीं अगर आपकी जॉब गवर्नमेंट सेक्टर में लग गया तो आप हर माह लाखों रुपए कमा सकते हैं।

आईआईटी में एडमिशन दिलाएंगी ये टिप्स

देश में इंजीनियर बनने की चाह रखने वाले हर स्टूडेंट की चाहत होती है कि वह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) से इंजीनियरिंग करे। आईआईटी में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स को जेईई मेन एवं जेईई एडवांस परीक्षा पास करनी होती है। यहां हम आपको तैयारी के लिए कुछ आसान टिप्स बता रहे हैं।

बनाएं स्टडी प्लान

सबसे पहले सिलेबस के अनुसार अपना स्टडी प्लान बनाएं। जेईई मेन और जेईई एडवांस दोनों के सिलेबस लगभग समान होते हैं।

सेट करें वीकली और डेली टारगेट

स्टडी के लिए न्यूनतम घंटे तय करें। इसके साथ ही डेली या वीकली टारगेट सेट करें।

एनसीईआरटी की लें मदद

बेसिक तैयारी के लिए एनसीईआरटी बुक्स बहुत अच्छी मानी जाती हैं। इस कारण 11वीं से ही इन बुक्स से तैयारी करें।

क्लियर करें कॉन्सेप्ट

जेईई परीक्षा में आपके बेसिक्स की जांच होती है। पहले बेसिक कॉन्सेप्ट को समझें और इसके लिए थ्योरी पार्ट को पढ़ें।

स्मार्ट स्टडी

हार्ड वर्क के साथ ही स्मार्ट वर्क करें। इसके लिए नोट्स बनाएं, इंपॉर्टेंट प्वाइंट्स, फॉर्मूला, शॉर्टकट, रिएक्शन आदि के साथ स्मार्ट स्टडी करें।

मॉक टेस्ट पेपर

अपनी स्पीड, लर्निंग एक्यूरेसी और टाइम मैनेजमेंट स्किल को परखने के लिए ऑनलाइन मॉक टेस्ट पेपर सॉल्व करें।

कर सकते हैं कोचिंग

टफ और डाउट वाले प्रश्नों को आसानी से समझने के लिए आप कोचिंग भी ज्वॉइन कर सकते हैं।

12वीं में पीसीएम लेने के मतलब सिर्फ इंजीनियर बनना ही नहीं

छात्रों के बीच एक आम धारणा है कि 12वीं में मैथ्य लेने का मतलब है इंजीनियरिंग करना और साइंस लेने का मतलब है डॉक्टर बनना, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर बच्चा सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना चाहता है। कई बच्चे ऐसे भी हैं जो अलग फील्ड में जाना चाहते हैं।

बन सकते हैं पायलेट

अगर आप बचपन से उड़ते हुए प्लेन को देख कर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं और इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आप पायलट पाठ्यक्रम भी चुन सकते है। इसका कोर्स प्राइवेट कॉलेज भी करवाते है। हवाई यात्रा सस्ती होने के साथ, विमान उद्योग तेज गति उन्नति कर रहा है और वाणिज्यिक पायलटों की आवश्यकता भी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। यदि आप आकाश में उड़ना चाहते हैं और पायलट बनना कहते है तो यह कोर्स आपके लिए परफेक्ट है।

मर्चेंट नेवी

यह कोर्स आज के समय में बेहतर ऑप्शंस है। इसमें आप मरीन इंजीनियरिंग, नॉटिकल साइंस, शिप मेंटेनेंस आदि कोर्स कर सकते हैं। यह देश में सबसे अधिक सैलरी देने वाले कोर्सेज में से एक है। इसमें आपको कई देशों का सफर करने का मौका मिलता है तथा देश की सेवा करने का भी मौका मिलता है। काफी युवा छात्र मर्चेंट नेवी को अपना करियर बनाते है यह छात्रों की एक मनपसंद फील्ड है।

एनीमेशन का फील्ड

अगर आप क्रिएटिव हैं तो एनीमेशन के फील्ड में जा सकते हैं। 12वीं के बाद एनीमेशन की फील्ड में करियर बनाने का सपना काफी छात्रों का होता है। एनीमेशन की फील्ड काफी ज्यादा क्रिएटिव और मनोरंजक फील्ड है। इसमें छात्रों को कुछ नया करने को मिलता है। आज कल के समय में एनिमेटेड मूवीज, कार्टून्स काफी ज्यादा लोकप्रिय है ऐसे में एनीमेशन की फील्ड में बहुत कुछ कर दिखने का मौका है। कुछ साल पहले तक, केवल निजी संस्थान थे जो एनीमेशन के लिए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करते थे, परन्तु अब काफी इंस्टीटूट्स खुल गए है जो एनीमेशन का कोर्स करवाते है तथा नौकरी भी दिलाते है।

वीडियो गेम

कोरोना के बाद वीडियो गेम उद्योग बूस्ट पर चल रहा है। भारत में आज कई इंटरनेशन व नेशनल कंपनियां इस फील्ड में काम कर रही हैं। इस फील्ड में आपको कंप्यूटर लैंग्वेज पढ़ाई जाएगी और ग्राफिक डिजाइनिंग के बारे सिखाया जाता है। इस फील्ड में भी बहुत ज्यादा क्रिएटिविटी की जरुरत है। इस फील्ड में वेतन भी बहुत अच्छा है तथा भविष्य भी बहुत बढ़िया है।

एप डेवलपर

इस समय डिजिटल दुनिया में सब कुछ ऑनलाइन होता जा रहा है ऐसे में एप डेवलपर का भविष्य बहुत ही अच्छा है। आप एप डेवलपिंग का कोर्स ज्वाइन कर के अपना करियर इस फील्ड में बना सकते है। इसमें वेतन भी बहुत ज्यादा मिलता है। आजकल सभी लोग अपना व्यवसाय ऑनलाइन करते जा रहे है ऐसे में सभी अपना एप बनवाते है और अपने बिजनेस को या प्रोडक्ट तो प्रमोट करते है इसलिए यह भी एक बहुत अच्छा करियर ऑप्शन है।

सॉफ्टवेयर डेवलपर

आज के समय में यहां सैकड़ों आईटी फर्म हैं और दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। और ये आईटी फर्म एक बढ़िया 7 फिगर सैलरी देती है अपने सॉफ्टवेयर डेवलपर को। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल ये सभी कम्पनीज सॉफ्टवेयर डेवलपर हायर करती है और अच्छा वेतन देती है। आजकल तो सभी बैंक्स भी ऑनलाइन हो गए है और लगभग सभी ऑफिसेस भी अपना सॉफ्टवेयर डेवेलप करवाते है। ऐसे में ये एक ऐसा करियर है जिसमे कभी पीछे नहीं मुड़ना पड़ेगा। सभी आईटी फर्म्स सॉफ्टवेयर डेवलपर को रखती है और अच्छा वेतन देती है।

बीसीए भी है ऑप्शन

अगर आप 12 वीं के बाद करियर ऑप्शन देख रहे हैं तो आपके लिए बीसीए एक बढ़िया करियर ऑप्शन हो सकता है। अगर आपको कंप्यूटर में इंटरेस्ट है तो बीसीए आपके लिए बढ़िया चुनाव रहेगा। बीसीए करने के बाद आप किसी अच्छी आईटी कंपनी में जॉब कर सकते है और अगर आप बीसीए के बाद पोस्ट ग्रेजुएट एमसीए भी कर लेंगे तो कंप्यूटर की फील्ड में एक अच्छा करियर बना सकते है तथा उच्च वेतन की नौकरी भी मिल सकती है।

आप पेंटिंग या ड्राइंग के साथ अपना स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। पेंटिंग डिपार्टमेंट से आप म्यूरल के लिए भी जा सकते हैं।

पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में बनाएं करियर

बदलते समय के साथ लोगों की सोच भी बदल रही है, खास कर ऐसे माता- पिता की जो अपने बच्चों पर बचपन से ही डॉक्टर-इंजीनियर बनने का दबाव डालते और इसे ही करियर के लिए सबसे बेहतर मानते थे। आज के समय में करियर के कई विकल्प खुल गए हैं। अब सिर्फ कॉमर्स या साइंस जैसे स्ट्रीम ही करियर की संभावना नहीं रह गया है। यही कारण है की मां-बाप अपने बच्चों को पसंद के अनुसार अपना करियर बनाने का मौका दे रहे हैं। इस समय फैशन एक ऐसा क्षेत्र है जो युवाओं को खुलकर जीने का मौका दे रहा है, जिससे आज युवा बैचलर ऑफ फाइन आर्ट की तरफ आकर्षित हो रहे हैं और पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में अपनी प्रतिभा निखारने के साथ अपना करियर बना रहे हैं।

क्या है बैचलर ऑफ फाइन आर्ट

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स का स्वरूप बहुत बड़ा है। इसमें छात्रों को नृत्य, चित्र, फोटोग्राफी, फिल्म, वास्तुकला, आदि की शिक्षा दी जाती है। यह कोर्स आप 12वीं के बाद कर सकते हैं, ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों में बीएफए चार सालों का कोर्स होता है। शुरूआती सालों में आपको विजुअल आर्ट के सभी विषयों की जानकारी दी जाती है लेकिन अंतिम साल में आपको स्पेशलाइजेशन के रुप में एक विषय चुनना होता है।

जरूरी स्किल

अगर आप इस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते है तो आपको कला की अच्छी समझ होनीं चाहिए। इसके लिए आपमें कल्पनाशीलता और क्रिएटिविटी जैसी स्किल की बेसिक जानकारी जरूरी है। इसके अलावा थिंकिंग पावर और ड्राइंग, पेंटिंग, स्कैचिंग की अच्छी समझ होना जरूरी है। वहीं इस फील्ड के लिए आप नए- नए एक्सपेरिमेंट करते रहना जरूरी है, जिससे आपकी कला का और विकास हो सके। एक पेंटर के रूप में, एक उम्मीदवार विभिन्न कलाकृतियां बना सकता है जैसे कि वाटर कलर पेंटिंग, ऑइल पेंटिंग, इंक वॉश पेंटिंग, ऐक्रेलिक पेंटिंग, पेस्टल कलर पेंटिंग, ग्लास पेंटिंग, एनकॉस्टिक पेंटिंग आदि। एक पेंटर आमतौर पर स्वतंत्र रूप से काम करता है या उसका प्रदर्शन करता है।

करियर

यह एक ऐसा सेक्टर है जहां पर छात्रों को बीएफए कोर्स करने के बाद आसानी से जॉब मिल जाती है। आज कल बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स में काफी बच्चों को दिलचस्पी होती है। बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स एडवरटाइजिंग कम्पनीज, आर्ट स्टूडियोज, बाउटिकेस आदि जगहों पर जॉब कर सकते हैं। आज के समय में बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स का क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं अच्छी पेंटिग्स भी लाखों- करोड़ो रुपए में बिक रही हैं, जिससे कलाकारों को उसका पूरा फायदा भी मिल रहा है। अगर आप चाहें तो आप इसमें एमए करके रिसर्च के लिए जा सकते हैं और इसके बाद आप किसी प्राइवेट संस्थान या किसी सरकारी कॉलेज में पढ़ा सकते हैं। वैसे तो कोर्स पूरा होने के पहले ही अगर आपने मेहनत की तो आपको सफलता मिलनी शुरू हो जाती है, ज्यादातर को प्राइवेट संस्थानों में, घरों और ऑफिसों, सरकार की तरफ से दीवारों को सजाने या उनपर पेंट, पोर्ट्रेट बनाने जैसे काम मिलने शुरू हो जाते हैं। फ्रीलांस आर्टिस्ट के तौर पर भी आप कार्य कर सकते हैं।

क्या होती है जॉब प्रोफाइल

एक पेंटर बनने के लिए आपको बीए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, बीएफए पेंटिंग, बीए इन पेंटिंग, बीए इन विजुअल आर्ट्स, बीएफए एप्लाइड आर्ट्स, एमएफए, एमए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, डिप्लोमा इन पेंटिंग का कोर्स करना पड़ेगा। जिसके बाद आप पेंटर, क्राफ्ट आर्टिस्ट, विजुअलाइजेशन प्रोफेशनल, इलेस्ट्रेटर, डिजिटल डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, आर्ट प्रोफेशनल, आर्ट डायरेक्टर, आर्ट कंजरवेटरआर्ट, डनेपनउ, आर्ट रेस्टोरेशन स्पेसलिस्ट, मुरलिस्ट पेंटर, कॉमिक आर्टिस्ट, एंटीरियर डिजाइनर से जॉब प्रोफाइल पर कार्य कर सकते हैं।

बुमराह को लेकर ग्लेन मैक्ग्रा की खास सलाह

कहा - उन्हें सत्र के बीच आराम देना जरूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले सीजन में कई अहम खिलाड़ी अनफिट होने की वजह से नहीं खेल सके थे, जिसके बाद 22 मार्च से शुरू होने वाले आगामी 17वें सीजन में कई की वापसी देखने को मिलेगी, इसी में एक नाम स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का भी शामिल है।

स्ट्रेस फेक्चर की समस्या से उबरने के बाद से बुमराह लगातार उसी पुराने अंदाज में अब तक गेंदबाजी करते हुए दिखाई दिए हैं। वहीं आईपीएल 2024 सीजन के शुरू होने से पहले ही बुमराह को लेकर दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने एक बड़ी सलाह दी है, जिसमें उन्होंने बुमराह को लंबे समय तक चोट से दूर रखने के लिए सीजन के बीच आराम देने के लिए कहा है।

वह हर गेंद में काफी प्रयास करता है

जसप्रीत बुमराह साल 2022 सितंबर महीने में चोटिल होने के बाद ऑस्ट्रेलिया में

खेले गए टी20 वर्ल्ड कप में भी नहीं खेल पाए थे औ इसके बाद मार्च 2023 में स्ट्रेस फेक्चर की वजह से उन्हें सर्जरी करवानी पड़ी थी और इस वजह से वह आईपीएल का पिछला सीजन भी नहीं खेल सके थे। बुमराह ने इसके बाद पिछले साल अगस्त महीने में मैदान पर वापसी करने के साथ आयरलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज में टीम इंडिया का नेतृत्व किया था और उसके बाद से वह लगातार हर महत्वपूर्ण सीरीज में खेलते हुए दिखाई दिए हैं। बुमराह ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में 20 विकेट हासिल किए थे। वहीं इसके बाद साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में भी उन्होंने काफी अहम भूमिका अदा की थी।

ग्लेन मैक्ग्रा ने जसप्रीत बुमराह को लेकर नका गेंदबाजी एक्शन जिस तरह का है, बुमराह के वर्कलोड को देखते हुए उसे आईपीएल 2024 सीजन के बीच में आराम की जरूरत होगी क्योंकि उसका बॉलिंग एक्शन से उस पर जो दबाव बनता है उसे देखते हुए उसका फिर से चोटिल होना लगभग तय है जो वो पहले भी हमें देखने को मिला है, ऐसे में उसको लेकर काफी सावधानी दिखानी होगी।

आईपीएल सीजन खत्म होने के बाद भारतीय टीम को खेलना टी20 वर्ल्ड कप

आईपीएल 2024 सीजन के खत्म होने के ठीक बाद भारतीय टीम को वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेना है, ऐसे में बुमराह का फिट रहना टीम इंडिया के लिए नजरिए से काफी महत्वपूर्ण है।

हाल में ही इंग्लैंड के खिलाफ खत्म हुई 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान चौथे मुकाबले में बुमराह को टीम मैनेजमेंट ने आराम दिया था, ताकि उनके वर्कलोड क बेहतर तरीके से मैनेज किया जा सके। आगामी आईपीएल सीजन में मुंबई इंडियंस की टीम को अपना पहला मुकाबला 24 मार्च को गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद के मैदान पर खेलना है।

बडोसा ने मियामी में हालेप की वापसी रोकी, वीनस विलियम्स हारीं

फ्लोरिडा, एजेंसी। दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिमोना हालेप की वापसी को पाउला बडोसा ने रोक दिया, जिन्होंने मियामी ओपन के पहले दौर में 1-6, 6-4, 6-3 से जीत हासिल की।

फरवरी में दोहा के बाद बडोसा की यह पहली जीत थी। दुनिया के 80वें नंबर की खिलाड़ी चोटों से जूझ रही हैं। उनका अब वर्ष का रिकॉर्ड 5-5 हो गया है। हालाँकि, हालेप डब्ल्यूटीए टूर से 18 महीने की अनुपस्थिति के बाद वापस

लौट आई। दो हफ्ते पहले, वैश्विक खेल की शीर्ष खेल मध्यस्थता अदालत (सीएएस) ने टेनिस से उनका प्रतिबंध घटाकर नौ महीने कर दिया - अनिवार्य रूप से, समय पूरा हो गया। फैसले के बाद, हालेप ने मियामी ओपन टूर्नामेंट के निदेशक जेम्स ब्लेक से वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया। इस बीच, डायना श्नाइडर ने मियामी ओपन के पहले दौर में तीन बार की चैंपियन वीनस विलियम्स को 1 घंटे और 19 मिनट में 6-3, 6-3 से हराकर वीनस की रिकॉर्ड 22वीं उपस्थिति को समाप्त कर दिया। यह प्रतियोगिता कई विरोधाभासों में से एक थी

43 वर्षीय विलियम्स 2024 के मुख्य ड्रा में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी थीं जबकि 19 वर्षीय श्नाइडर इस वर्ष खेल रही छह किशोरों में से एक हैं। विलियम्स मियामी में अपना 85वां मुख्य ड्रॉ मैच खेल रही थीं, जो एक और टूर्नामेंट रिकॉर्ड है (इस बार, बहन सेरेना के साथ संयुक्त); डब्ल्यूटीए के अनुसार, श्नाइडर अपना पहला मैच खेल रही थी और पिछले साल अपने पदार्पण पर लॉरा सीगमंड से क्वालीफाइंग के पहले दौर में हार गई थी। दूसरी ओर, 2018 ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता डेनमार्क की कैरोलिन वोज्नियाकी तीन पूर्व ग्रैंड स्लैम चैंपियनों में से एकमात्र थीं, जो महिला एकल ड्रॉ के दूसरे दौर में पहुंचीं। डेनिश वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी ने फ्रांस की क्लारा बुरेल को 6-1, 6-4 से हराने के लिए केवल 1 घंटे 17 मिनट की जरूरत पड़ी और अब वह तीसरे दौर में जगह बनाने के लिए यूक्रेन की एन्हेलिना कलिनिना से भिड़ेंगी।

कमेंट्री माइक पकड़ने से पहले

नवजोत सिंह सिद्धू का तड़तड़ाता बयान, विराट को बताया सचिन से भी बेहतर बल्लेबाज

नईदिल्ली, एजेंसी। कमेंट्री की दुनिया में वापसी कर रहे पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने विराट कोहली को सर्वकालिक महान बल्लेबाज बताया है। यहां तक कि नवजोत सिंह सिद्धू ने विराट कोहली को सचिन तेंदुलकर ही नहीं, बल्कि सुनील गावस्कर और एमएस धोनी से भी महान बल्लेबाजों की श्रेणी में सबसे ऊपर रखा है।

लंबे समय के बाद नवजोत सिंह सिद्धू कमेंट्री करते नजर आएंगे, लेकिन उनका ये बयान सुर्खियों में हैं। सिद्धू ने अलग-अलग समय की बात की, लेकिन फिर भी विराट को सभी से बेहतर माना है।

नवजोत सिंह सिद्धू ने बात करते हुए कहा कि उनको लगता है कि विराट कोहली भारत के सबसे अच्छे क्रिकेटर हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर से पूछा गया कि क्या विराट कोहली को आगामी आईपीएल में आरसीबी के लिए खुद को नंबर 3 पर उतारना चाहिए। कई लोगों ने तर्क दिया है कि अगर भारत आने वाले टी20 विश्व कप में उन्हें बल्लेबाजी क्रम में वन-डाउन खिलाना चाहता है तो कोहली को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने चाहिए, जबकि सिद्धू ने तर्क दिया कि कोहली को आरसीबी के लिए नंबर 3 पर बल्लेबाजी नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह टीम की मांग नहीं थी।

सिद्धू ने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता। यह वही है, जो टीम मांग करती है। आप दुनिया के सबसे महान खिलाड़ी हो सकते हैं, जो वह हैं, लेकिन अगर आपकी टीम जीत नहीं रही है, खासकर एक बार भी ट्रॉफी अपने पास नहीं रखी है, तो यह एक धब्बा है जिसे आप मिटाना चाहेंगे। यह किसी भी तरह से उसके लिए हानिकारक नहीं है, क्योंकि उसने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और आप इसे देख सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने उन्हें अब तक का सर्वश्रेष्ठ भारतीय बल्लेबाज रेट किया है। ऐसा समय था, जब मैं अपना ट्रांजिस्टर लगाता था और सुनील गावस्कर को वेस्टइंडीज के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए सुनता था, वह 70 का दशक है। वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज, स्कूल बंक करना और सिर्फ एक पीरियड के लिए बाहर जाना और सुनना कि वह बिना हेलमेट के कैसे बल्लेबाजी कर रहे थे, वह उनका युग था। करीब 15-20 साल तक उनका दबदबा रहा। फिर तेंदुलकर आए, एक और युग आया। फिर धोनी आए और फिर विराट आए। यदि आप इन चार को देखेंगे तो मैं उन्हें सर्वश्रेष्ठ मानूंगा, क्योंकि उन्होंने तीनों प्रारूपों में खुद को ढाल लिया है।

पूर्व क्रिकेटर ने ये भी बताया कि किस वजह से उन्होंने विराट कोहली को इन दिग्गजों से ऊपर रखा है। उन्होंने कहा, उसी तरह, उनकी तकनीकी क्षमता और उन सभी में सबसे फिट। अगर आप इन चारों को देखें तो वह सबसे फिट होंगे। अपने करियर के अंतिम चरण में तेंदुलकर को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा।

पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में भाग नहीं ले सकेंगे रूस और बेलारूस के खिलाड़ी

जिनेवा, एजेंसी। रूस और बेलारूस के खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में पारंपरिक परेड में भाग नहीं ले सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने यह जानकारी दी। ओलंपिक का उद्घाटन समारोह 26 जुलाई को है जिसमें हजारों खिलाड़ी सीन नदी से एफील टावर की तरफ नावों से आएंगे जबकि आम तौर पर परेड स्टेडियम में होती है। आईओसी ने कहा कि रूस और बेलारूस के खिलाड़ी नदी के किनारे समारोह देख सकेंगे। उन्हें तटस्थ खिलाड़ियों के तौर पर ओलंपिक में खेलने की अनुमति मिली है।

इससे पहले अंतरराष्ट्रीय पैरालम्पिक समिति ने 28 अगस्त को पेरिस पैरालम्पिक के उद्घाटन समारोह में रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध की घोषणा की थी। यूक्रेन में जारी जंग के कारण दोनों देशों को ओलंपिक में टीम स्पर्धाओं में भाग नहीं लेने दिया जाएगा। वहीं व्यक्तिगत वर्ग में खिलाड़ी तटस्थ तौर पर खेलेंगे बशर्ते उन्होंने यूक्रेन में जारी युद्ध का समर्थन नहीं किया हो या सेना या सुरक्षाबलों से जुड़े नहीं हों। रूसी पासपोर्ट धारक 36 और बेलारूस के 22 खिलाड़ियों ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है।

दिल्ली कैपिटल्स ने अटकलों पर लगाया विराम, IPL 2024 में ऋषभ पंत संभालेंगे टीम की कमान

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के नए सीजन में दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व कौन करेगा, इसकी अटकलों पर मंगलवार 19 फरवरी को फ्रेंचाइजी ने विराम लगा दिया। फ्रेंचाइजी ने ट्वीट कर बाताया कि आगामी सीजन के लिए ऋषभपंत को उसने अपना कप्तान बनाया है। फ्रेंचाइजी की ओर से शेयर किए गए एक वीडियो में कप्तानी के फैसले की पुष्टि की गई।

वीडियो का कैप्शन में लिखा था, वापसी हो गई, अब आपका स्वागत है, कप्तान ऋषभ पंत। पिछले साल दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व डेविड वार्नर ने किया था। दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2023 में 9वें स्थान पर रही थी। बता दें कि ऋषभ पंत दिसंबर 2022 में एक भयंकर कार दुर्घटना का शिकार होने के बाद 14 महीने के लिए एक्शन से बाहर हो गए थे।

दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन और सह-मालिक पार्थ जिंदल की ओर से जारी बयान में कहा गया, हमें अपने कप्तान के रूप में ऋषभ का वापस स्वागत करते हुए खुशी हो रही है।

धैर्य और निडरता ने हमेशा उनके क्रिकेट ब्रांड को तय किया है और और आश्चर्य की बात नहीं है कि उनके उबरने की राह भी तय की है। मैं उन्हें फिर हमारी टीम को मैदान में ले जाते हुए देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। हम नए जोश और उत्साह के साथ नए सत्र की प्रतीक्षा कर रहे हैं। ऋषभपंत ने आईपीएल 2024 में वापसी से पहले कुछ अभ्यास खेल खेले।

वह दिल्ली कैपिटल्स के पंजाब किंग्स के खिलाफ मोहाली में 23 मार्च को होने वाले शुरुआती मैच के लिए उपलब्ध होंगे।

ऋषभ पंत की मैदान पर वापसी न केवल दिल्ली कैपिटल्स बल्कि टीम इंडिया के लिए भी सुकून भरी खबर होगी, क्योंकि टी20 विश्व कप भी नजदीक है।

ऋषभ पंत को मैदान पर वापसी करने में लगे 14 महीने

राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के फिट घोषित करने से पहले 26 साल के ऋषभ पंत को ठीक होने में 14 महीने लगे। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) की ओर से शेयर किए गए वीडियो में उन्होंने स्वीकार किया, मैं सामान्य के बहुत करीब महसूस करता हूं। एक अन्य वीडियो में, ऋषभपंत को नेट्स पर अभ्यास करते हुए देखा गया। इसमें वह लेग-साइड पर ऊंचे शॉट और रिवर्स-स्वीप का अभ्यास करते हुए देखे गए।

ऋषभपंत को पता था कि कितनी गंभीर है चोट

उत्तराखंड में रुड़की के पास दुर्घटना में ऋषभ पंत के दाहिने घुटने का लिगामेंट फट गया और उनके माथे पर दो चोटें आईं। उसके बाद से वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हो गए थे। हाल ही में ऋषभ पंत ने कहा था, जीवन में पहली बार मुझे ऐसा लगा जैसे इस दुनिया में मेरा समय खत्म हो गया है।

दुर्घटना के दौरान मुझे घावों के बारे में पता था लेकिन मैं भाग्यशाली था क्योंकि यह और भी गंभीर हो सकती थी। मुझे लग रहा था कि किसी ने मुझे बचा लिया है। मैंने डॉक्टर से पूछा कि मुझे ठीक होने में कितना समय लगेगा तो उन्होंने कहा कि इसमें 16-18 महीने लगेंगे। मुझे पता था कि रिकवरी के इस समय को कम करने के लिए मुझे कड़ी मेहनत करनी होगी।

IPL 2024: मुंबई इंडियंस को एक और करारा झटका, सूर्यकुमार फिटनेस टेस्ट में फेल

नईदिल्ली, एजेंसी। स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को नैशनल क्रिकेट अकैडमी (एनसीए) से फिटनेस मंजूरी मिलना बाकी है जिससे निश्चित है कि वह 24 मार्च को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुंबई इंडियंस के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरुआती मैच में नहीं खेल पाएंगे। दुनिया के नंबर वन टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार 'स्पोर्ट्स हर्निया' की सर्जरी के बाद उबरने और 'रिहैबिलिटेशन' के लिए बेंगलुरु स्थित एनसीए में थे।

दिसंबर से क्रिकेट से बाहर रहे सूर्यकुमार का मंगलवार को एनसीए में फिटनेस टेस्ट भी कराया गया। लेकिन लगता है कि इस 33 साल के खिलाड़ी के फिटनेस के आकलन की जरूरत है। मुंबई इंडियंस के 27 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ, एक अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ और सात अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में उनकी भागीदारी बाद में तय की जाएगी। सूर्यकुमार ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक अस्पष्ट संदेश पोस्ट किया जिसमें 'दिल टूटने वाली इमोजी' बनी हुई थी।

33 साल के सूर्यकुमार यादव ने 2012 में आईपीएल में डेब्यू किया था। जब से अब तक उन्होंने आईपीएल में कुल 139 मैच खेले हैं, जिसमें सूर्या ने 143 के स्ट्राइक रेट से 3249 रन ठोके हैं। उनके नाम इंडियन प्रीमियर लीग में 1 शतक और 21 अर्धशतक भी हैं।

सूर्यकुमार टी20 क्रिकेट में नंबर वन बल्लेबाज हैं और उनकी गैरमौजूदगी मुंबई के लिए अच्छी खबर नहीं है। मध्यक्रम की जान इस बल्लेबाज के नए होने से कप्तान हार्दिक पंड्या का चैलेंज और भी बढ़ जाएगा। हार्दिक के कप्तान बनने के बाद से मुंबई इंडियंस टीम के खेमे से अभी तक कोई पॉजिटिव खबर नहीं आई है। नए कप्तान की पूर्व कप्तान से अभी तक बातचीत भी नहीं हुई है इस बीच सूर्य अभी भी अनफिट हैं। अनफिट और अनबन की खबरों के बीच टीम बेहतर प्रदर्शन करे यह एक चैलेंज होगा।

इंदौर के इरफान अहमद भारतीय जूनियर टीम के प्रशिक्षक नियुक्त

इंदौर। इंदौर टेनिस क्लब के मुख्य प्रशिक्षक इरफान अहमद को अखिल भारतीय टेनिस संघ के द्वारा आई.टी.एफ. वर्ल्ड जूनियर टेनिस कॉम्पिटिशन, एशिया ओसानिया फाइनल क्वालिफाइंग 2024 कूचिंग, मलेशिया में होने वाली चैंपियनशिप के लिए जूनियर भारतीय टीम का प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है।

अखिल भारतीय टेनिस संघ के महासचिव अनिल धूपर ने बताया कि कूचिंग, मलेशिया में होने वाली चैंपियनशिप 25 मार्च से 30 मार्च 2024 तक खेली जाएगी जिसमें भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ईरान, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, इंडोनेशिया, थाईलैंड, जापान, हॉंगकॉंग एवं चाईनीज ताईपे, कोरिया, श्रीलंका इत्यादि टीमें भाग लेंगी। इस आई.टी.एफ. वर्ल्ड जूनियर टेनिस कॉम्पिटिशन में भारतीय बालक टीम में त्रिप्तिक कटकम, तवीश पाहवा, फज़ल अली मीर, इरफान अहमद (कप्तान) नियुक्त किए गए हैं।

तृप्ति ने भूल भुलैया 3 पर दिया अपडेट

अपने लाजवाब अभिनय और हुस्न के दम पर नेशनल क्रश का दर्जा हासिल करने वाली एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने अपनी अपकमिंग फिल्म भूल भलैया 3 को लेकर लेटेस्ट जानकारी साझा की है। इस फिल्म में उनके साथ रुपहले पर्दे पर सह-अभिनेता कार्तिक आर्यन भी अपनी जबरदस्त एक्टिंग का जलवा बिखेरते हुए नजर आएंगे। यह फिल्म कैसी होगी? इस बारे में एक्ट्रेस ने कहा, इसमें आपको कई रहस्यमय दृश्य के साथ-साथ कई डरावने और कॉमेडी भरे सीन्स भी देखन को मिलेंगे। एक्ट्रेस ने आगे कहा, इसमें कोई दो मत नहीं है कि यह फिल्म बिल्कुल ताजातरीन होगी। हालांकि, फिल्म के बारे में अन्य जानकारियों का इंतजार है। फिल्म में विद्या बालन भी हैं। हिंदी हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी फिल्म भूल भुलैया का यह तीसरा पार्ट है। इसका पहला भाग प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित किया गया था और 2007 में रिलीज़ हुआ था। इसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में थे। दूसरा पार्ट 2022 में रिलीज़ हुआ। फिल्म में कार्तिक के साथ कियारा आडवाणी और तब्बू थीं। रणबीर-कपूर-स्टारर एनिमल रिलीज होने के ठीक बाद तृप्ति का करियर ग्राफ बदल गया। उन्होंने बुलबुल, काला और लैला मजनू जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया है।

लाल साड़ी व गहनों से लदी नजर आई रश्मिका मंदाना

अल्लू अर्जुन की वर्ष 2021 में आई फिल्म पुष्पा के दूसरे भाग पुष्पा- द रूल की शूटिंग इन दिनों विशाखापत्तनम में चल रही है। इस फिल्म की शूटिंग के दृश्य सोशल मीडिया पर जबरदस्त वायरल हो रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग के कुछ फोटोज व वीडियो लीक हो गए हैं, जिनमें रश्मिका मंदाना नजर आ रही हैं। लीक हुई एक तस्वीर और वीडियो में रश्मिका मंदाना को माथे पर सिंदूर लगाए लाल साड़ी पहने हुए देखा जा सकता है। सीक्वल में, रश्मिका को श्रीवल्ली के रूप में देखा जाएगा, जिसने पुष्पराज से शादी की और कहानी शादी के बाद उसके जीवन पर केंद्रित होगी। कहा जा रहा है कि बहुत पुष्पा के दूसरे भाग की शूटिंग पूरी होने वाली है। गौरतलब है कि रश्मिका मंदाना की गत वर्ष प्रदर्शित फिल्म एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर जलजला ला दिया था। इस फिल्म ने वैश्विक व घरेलू स्तर पर कुल मिलाकर 1000 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी। वर्तमान में रश्मिका मंदाना एनिमल की सफलता का आनंद ले रहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

अच्छा लग रहा है; मनोज तिवारी के खिलाफ लड़ने को तैयार हैं नेहा सिंह राठौर

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी में का बा गाकर फेमस हुई बिहार की लोकगायिका नेहा सिंह राठौर के चुनावी राजनीति में उतरने की अटकलें हैं। चर्चा यह भी है कि कांग्रेस उन्हें भोजपुरी के ही सुपरस्टार मनोज तिवारी के खिलाफ लड़ाने जा रही है। कई दिनों से चल रही अटकलों के बाद अब खुद नेहा सिंह राठौर ने संकेत ऐसे संकेत दिए हैं जिससे दिल्ली की नॉर्थ ईस्ट लोकसभा सीट पर अब दो भोजपुरी कलाकारों के बीच मुकाबला तय माना जा रहा है। मनोज तिवारी इस सीट से लगातार दो बार जीत दर्ज कर चुके हैं और भाजपा ने उन्हें तीसरी बार टिकट दिया है। वह दिल्ली एकमात्र ऐसे सांसद हैं जिनपर भाजपा ने एक बार फिर दांव लगाया है। अन्य सभी छह सांसदों के टिकट काट दिए गए हैं। नेहा सिंह राठौर ने एएनआई से बातचीत के दौरान मनोज तिवारी के खिलाफ उतारे जाने की चर्चाओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इन्हें खारिज नहीं किया, बल्कि कई ऐसी बातें कहीं जिन्हें उनकी संभावित उम्मीदवारी का संकेत माना जा रहा है। मुझे नहीं पता कि कांग्रेस की तरफ से मुझे टिकट मिलेगा या नहीं, ना मैं इसको लेकर बहुत हहुआई (व्याकुल) हुई हूं। मुझे मीडिया से ही पता चला है कि कांग्रेस से टिकट मिल रहा है मनोज तिवारी के खिलाफ। मुझे अच्छा अच्छा लग रहा है। सकारात्मक वजहों से चर्चा में हूं। अच्छा लग रहा है। मेरे लिए बहुत बड़ी बात है कि मेरे लिए विचार किया जा रहा है। मैं जहां से आती हूं, मैं साधारण किसान परिवार से आती हूं, गांव देहात की लड़की हूं। बिहार के एक छोटे से गांव की लड़की हूं। मेरे बारे में यदि कोई पार्टी विचार कर रही है तो यही मेरे लिए बड़ी बात है कि मुझे उस योग्य समझा जा रहा है। कोई भी पार्टी यदि मेरे बारे में ऐसा विचार करती है तो मैं जरूर विचार करूंगी कि क्या आगे किया जा सकता है। जो बात मैं गीत के माध्यम से अब तक कहती आ रही हूं मंहगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, महिलाओं की बात, मौका मिला तो वह बात हम संसद से भी कहना पसंद करेंगे।

दूसरी जगह बसाए जाएंगे तीन गांवों के हजारों परिवार, यमुना अथॉरिटी ने शुरू की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर का प्रथम चरण के तहत 1334 हेक्टेयर में चल रहा काम 80 फीसदी तक पूरा हो गया। अब यमुना प्राधिकरण ने दूसरे चरण के कार्य को गति देने की तैयारी कर ली है। एयरपोर्ट के विस्तार के लिए दूसरे चरण में प्राधिकरण तीन गांव की करीब 1365 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण करेगा। यहां रह रहे लोगों को मॉडलपुर और फलैदा बांगर में बसाया जाएगा। यमुना प्राधिकरण के मुताबिक पहले चरण में एयरपोर्ट का निर्माण कार्य करीब 80 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। रनवे का काम भी पूरा हो गया है। 29 सितंबर से विमान उड़ान भरने लगेंगे। ऐसे में अब प्राधिकरण दूसरे चरण के तहत एयरपोर्ट के विस्तार को गति देने की दिशा में काम कर रहा है। दूसरे चरण में एयरपोर्ट के लिए 1365 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। उक्त भूमि हुकूमसिंह, रान्हेरा और कुरैब गांव की अधिग्रहीत की जाएगी। यहां रहने वाले करीब साढ़े 12 हजार परिवारों को प्राधिकरण ने मॉडलपुर और फ्लैंदा बांगर में बसाने की तैयारी कर ली है। इन ग्रामीणों के लिए प्राधिकरण आवासीय फ्लैट बनाकर देगा। दूसरे चरण में एविएशन हब, लॉजिस्टिक पार्क बनाया जाना है। यहां पर विमानों के पार्ट्स से जुड़ी मैन्युफेक्चरिंग यूनिट लगाई जाएगी।

आरोपित पर संदेह का मजबूत कारण हो तो तय किया जा सकता है आरोप: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रिकार्ड पर मौजूद सामग्री के आधार पर अगर किसी अपराध में आरोपित की भूमिका को लेकर संदेह का मजबूत कारण हो तब भी आपराधिक मामले में आरोप तय किया जा सकता है।

आय से अधिक संपत्ति के मामले में आरोप तय करने के निचली अदालत के फैसले को रद करने से इनकार करते हुए जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत का काम मुकदमे का ड्रेस रिहर्सल करना नहीं है, वह भी प्रारंभिक चरण में जहां निचली अदालत ने केवल आरोप तय किए हैं।

इस स्तर पर शीर्ष अदालत में सुनवाई संभव नहीं है। शीर्ष अदालत दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाले पुनीत सभरवाल और आरसी सभरवाल द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी। हाई कोर्ट ने इन आरोपितों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप तय करने के निचली

अदालत के 2006 के आदेश को रद करने से इनकार कर दिया था।

शीर्ष अदालत ने निचली अदालत को पिछले 25 वर्षों से लंबित इस मुकदमे में तेजी लाने का निर्देश दिया है।आपराधिक मामले में मुकदमे की शुरुआत साक्ष्यों की रिकार्डिंग के साथ होती है। अदालत जांच एजेंसी द्वारा रिकार्ड पर पेश की गई सामग्री पर प्रथम दृष्टया विचार करती है और आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करती है।

प्रवासी श्रमिकों को दो माह में राशन कार्ड दें सरकारें, सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दिया निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देशित किया कि दो महीने के अंदर प्रवासी श्रमिकों को राशन कार्ड उपलब्ध कराए जाएं। यह वह श्रमिक हैं जो विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत हैं। जस्टिस हिमा कोहली और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की खंडपीठ ने 20 अप्रैल, 2023 तक कोर्ट के आदेश का पालन करने में प्रशासन की विफलता के बाद नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इससे पहले के आदेश में सर्वोच्च अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राशन कार्ड मुहैया कराने के लिए तीन महीने का समय दिया था। अदालत ने निर्देश दिया कि यह राशन कार्ड राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत निर्धारित कोटे के अतिरिक्त जारी करने अनिवार्य हैं। पोर्टल पर पंजीकृत प्रवासी मजदूरों को राशन कार्ड देने का व्यापक प्रचार किया जाए। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि बेवजह की देरी से 80 करोड़ राशनकार्ड धारकों की ई-केवाईसी में भी बाधा आ रही है। नए कार्डधारकों को इनसे संबद्ध करने से पहले इसको भी अपडेट किया जाना जरूरी है। अदालत ने केंद्र सरकार से ऐसी प्रणाली विकसित करने को कहा है कि बिना राशन कार्ड के भी खाद्य सामग्री उपलब्ध करायी जा सके। पीठ ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित होना चाहिए और कहा कि कल्याणकारी राज्य में, सरकार का यह कर्तव्य है कि वह लोगों तक पहुंचे।

अच्छी जिंदगी का सपना, कश्मीरी लड़कों से शादी; बांग्लादेश से घाटी लाई गईं रोहिंग्या युवतियां

नई दिल्ली, एजेंसी। एक गिरोह बांग्लादेश स्थित कैंप में रह रहे रोहिंग्या शरणार्थी युवतियों-किशोरियों की शादी कश्मीर के युवकों से कराने में लिप्त है। इसका खुलासा तब हुआ जब एक रोहिंग्या किशोरी ने कश्मीरी गेट थाने में दुष्कर्म की शिकायत दी। चूंकि, घटना कश्मीर के अनंतनाग में हुई थी, इसलिए पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर मामले को कश्मीर भेज दिया। एफआईआर के अनुसार 16 वर्षीय किशोरी सना (परिवर्तित नाम) बांग्लादेश के कुतुपालंग कैंप में आठ भाई-बहनों और माता-पिता के साथ रह रही थी। वह स्थानीय स्कूल में कक्षा नौंवी कक्षा में पढ़ाई करती थी। कैंप के हालात बेहद खराब थे। कैंप में नूर हलीमा नाम की महिला आई और उसने सना को बताया कि वह कश्मीर आती-जाती रहती है। वहां युवतियां कम होने के कारण युवकों की शादी नहीं हो पा रही है। महिला ने सना को अच्छे जीवन का लालच देकर कश्मीर चलने के लिए राजी कर लिया। पीड़िता ने बताया कि बीते साल दिसंबर में वह तीन और किशोरियों और नूर हलीमा के साथ कश्मीर के लिए रवाना हुई। उन्होंने चोरी छिपे बांग्लादेश बॉर्डर पार किया। इसके बाद कोलकाता पहुंचे। यहां ट्रेन से दिल्ली और फिर दिल्ली से जम्मू कश्मीर होते हुए अनंतनाग पहुंचे। पीड़िता ने बताया कि वहां पहुंचकर नूर हलीमा ने सना सहित तीन किशोरियों को स्थानीय महिला समशीरा के घर पर छोड़ दिया। रुपये लेकर वह वापस बांग्लादेश चली गई। उस दौरान तीनों की शादी स्थानीय युवकों से कर दी गई। समशीरा ने सना की शादी 50 साल के शख्स से तय की, लेकिन उसने मना कर दिया। इस पर महिला ने सना की पिटाई भी की।

प्रगति मैदान टनल में खत्म होगा वाटर लीकेज? पीडब्ल्यूडी ने बनाया एक्सपर्ट पैनल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में करोड़ों रुपए की लगात से बनी 1.3 किलोमीटर लंबी प्रगति मैदान टनल के अंदर पानी रिसाव की समस्या जस की तस बनी हुई है। समस्या के समाधान के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने एक पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित की है। इस कमेटी में चीफ इंजीनियर (फ्लाईओवर) मुकेश कुमार, सुपरिटेंडिंग इंजीनियर राजन मोघा और एग्जीक्यूटिव इंजीनियर रवि वर्मा सहित तीन पीडब्ल्यूडी अधिकारी- प्रदीप गर्ग, एसई, सीपीडब्ल्यूडी, और डीएमआरसी से सौरभ शर्मा शामिल हैं।

पीडब्ल्यूडी ने फरवरी में, डिजाइन दोष, गंभीर तकनीकी और डिजाइन कमियों और प्रगति मैदान टनल और अंडरपास का रोजाना उपयोग करने वाले यात्रियों के जीवन पर संभावित खतरे के लिए लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) कंपनी को नोटिस जारी किया था। एजेंसी ने टनल बनाने वाली कंपनी को 500 करोड़ रुपये जमा करने के लिए भी कहा था।

अधिकारियों का कहना है कि एलएंडटी ने आईटीपीओ टनल रिसाव को लेकर एक प्रस्ताव पेश किया है। विभाग ने एक मेमोरेंडम में कहा, विशेषज्ञ समूह आईटीपीओ टनल में लीकेज नोटिस से संबंधित एलएंडटी द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव की जांच करेगा। ग्रुप मूल डिजाइन और उसकी कारीगरी की भी जांच करेगा। कमेटी को 30 दिनों के अंदर अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया है।

एलएंडटी के प्रवक्ता ने पहले कहा था, कंपनी ने दिल्ली पीडब्ल्यूडी के खिलाफ 500 करोड़ रुपये का काउंटरक्लेम किया है।

प्रगति मैदान टनल एक माह तक रात को बंद रहेगी: प्रगति मैदान टनल की मरम्मत का कार्य पीडब्ल्यूडी की ओर से अगले एक माह तक रात के समय किया जाएगा। इसके चलते रात 12 से सुबह 6 बजे तक टनल 18 अप्रैल तक बंद रहेगी। इसके अलावा 24 मार्च, 31 मार्च और 7 अप्रैल को टनल दिनभर बंद रहेगी। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों को रिंग रोड, भैरों रोड और मथुरा रोड का इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

वियतनाम, दुबई और बैंकॉक भेजे जा रहे भारतीय सिम कार्ड? एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश में बैठे जालसाज और सट्टा चलाने वाले गैंग बड़ी संख्या में भारतीय सिम कार्ड इस्तेमाल कर रहे हैं। बीते तीन माह में दिल्ली एयरपोर्ट के रास्ते सिम कार्ड ले जाने के तीन मामले पकड़े गए हैं। यह सिम कार्ड वियतनाम, दुबई और बैंकॉक ले जाए जा रहे थे। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि विदेश में बैठे जालसाज और सट्टेबाज भारतीय सिम कार्ड का इस्तेमाल कर लोगों को निशाना बना रहे हैं। कई एजेंसियां छानबीन में जुट गई हैं। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बहुत ही संगठित तरीके से विदेश में बैठे जालसाज एवं सट्टेबाज भारतीय सिम कार्ड का इस्तेमाल अपराध के लिए कर रहे हैं। इसके लिए उनके कई एजेंट भारत में सिम कार्ड एकत्रित करने का काम कर रहे हैं। इसके लिए गरीब एवं मजदूर वर्ग के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। यह एजेंट लोगों को उनके दस्तावेज लेकर मुफ्त में सिम कार्ड एक माह तक इस्तेमाल करने के लिए दे रहे हैं। इसके बाद उनसे सिम कार्ड वापस ले लिया जाता है। इसे नष्ट करने की जगह आगे बेच दिया जाता है, ताकि उनका इस्तेमाल विदेशी धरती से भारत में आपराधिक गतिविधियां चलाने के लिए हो सके। एयरपोर्ट पुलिस द्वारा बीते दिनों पकड़े गए दो मामलों में सहारनपुर और आगरा के मजदूरों के नाम पर सिम लेने की बात सामने आई है। उन्हें मुफ्त में यह सिम कार्ड दिया गया था।

घर के काम नहीं करती, मेरा और परिवार का अनादर करती है पत्नी; हाईकोर्ट में तलाक की दी अर्जी

नई दिल्ली, एजेंसी। बीमार पत्नी से जबरदस्ती घर के काम करवाना क्रूरता है। तलाक के एक मामले पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि जब कोई पत्नी अपनी मर्जी से घर के काम करती है तो वह ऐसा अपने परिवार के प्रति प्यार और ममता की वजह से करती है। जब पत्नी की तबीयत खराब है तब उसे घर के काम करने के लिए मजबूर करना क्रूरता है। जस्टिस सुरेश कुमार कैत और नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने तलाक के मामले में अपना फैसला सुनाते हुए कहा, हमारी राय में, जब एक पत्नी अपनी मर्जी से घर के काम करती है, तो वह अपने परिवार के प्रति स्नेह और ममता के कारण ऐसा करती है। यदि उसका स्वास्थ्य या अन्य परिस्थितियों की वजह से वह काम नहीं कर पाती, तो उसे जबरदस्ती काम करने के लिए कहना निश्चित रूप से क्रूरता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया की महिला के पति ने किसी तरह की क्रूरता नहीं की थी क्योंकि वह पत्नी को घर के काम करने के लिए मजबूर नहीं करता था। इसके बजाय उसने यह सुनिश्चित किया कि घरेलू काम के लिए एक सहायिका मौजूद रहे। हाईकोर्ट ने कहा, दूसरी तरफ मामले के तथ्यों से पता चलता है कि महिला गलत थी। उसने न केवल अपने पति पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के बेतुके आरोप लगाए बल्कि उसके और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आपराधिक शिकायतें भी कीं। कोर्ट ने पति की याचिका को स्वीकार करते हुए उन्हें

तलाक दे दिया। पति ने नवंबर 2022 के फैमिली कोर्ट के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। फैमिली कोर्ट ने क्रूरता के आधार पर तलाक की मांग वाली उसकी याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट में दाखिल की गई याचिका में पति ने आरोप लगाया कि पत्नी द्वारा उसके और उसके परिवार के प्रति अनादर की वजह से उनकी शादी शुरुआत से ही तनावपूर्ण रही है। याचिकाकर्ता ने कहा कि वह न तो रोज के घरेलू काम करती है और न ही घरेलू खर्चों में आर्थिक तौर पर सहयोग करती है।

अनोखे चोर! दिल्ली-एनसीआर में मोबाइल टावर से करते थे चोरी, डेढ़ करोड़ के डिवाइस बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। पुलिस की मानें तो आरोपियों की गिरफ्तारी से दिल्ली-एनसीआर में गैंग के पकड़े जाने से आरआरयू चोरी के 63 मामले सुलझे हैं। आरोपियों में दिल्ली के रोहिणी निवासी नाजिम, सागरपुर निवासी सनी राजपूत, मुस्तफाबाद निवासी मो. नईम, इब्राहिमपुर निवासी मोरपाल, अमन विहार निवासी महेंद्र, समयपुर बादली निवासी इरफान, पुराना मुस्तफाबाद निवासी इजहार, पुनीत कुमार उर्फ बॉम्बे, परवीन राणा उर्फ सोनू ठाकुर, सुमित राणा और सलमान, यूपी के मेरठ निवासी सलमान, दानिश, कासिम और यूपी के बुढाना निवासी नदीम शामिल हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी से कुल 33 आरआरयू (रेडियो रिमोट यूनिट जो एक महंगा उपकरण है), 20 बीबीयू, 15 जेआईओ बैटरी, दो आरएसपी कार्ड, 12 हाई-टेक हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर टूल और 20 बंडल टावर केबल बरामद हुए। इसके अलावा 17 मामले दर्ज किए गए। फिलहाल पुलिस की टीमें आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। क्राइम ब्रांच के एडिशनल कमिश्नर संजय भाटिया ने बताया कि एयरटेल के राष्ट्रीय नोडल अधिकारी ने देश के विभिन्न इलाकों में मोबाइल टावर में लगे उपकरणों के बड़े पैमाने पर चोरी होने की रिपोर्ट दी थी।

नोएडा में मदरसे के लिए चंदा मांग रहे मुस्लिम शख्स को बुरी तरह पीट डाला, आपत्तिजनक टिप्पणी भी की; तनाव

नई दिल्ली, एजेंसी।
सलारपुर गांव में एक व्यक्ति ने शराब के नशे में धार्मिकस्थल के लिए चंदा मांगने आए युवक को बुरी तरह से पीटकर घायल कर दिया। स्थानीय लोगों ने पीड़ित को आरोपी के चंगुल से बचाया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक बिहार के किशनगंज जिले के रहने वाले 30 वर्षीय अब्दुल अजीज कुछ समय पहले नोएडा आए थे। वह बिहार में खुले मदरसों के लिए संचालन के लिए चंदा जुटाने का काम करते हैं। इसी के लिए वह मंगलवार दोपहर सलारपुर गांव स्थित धार्मिकस्थल में पहुंचे। धार्मिकस्थल से निकलकर जब अब्दुल कहीं जा रहे थे, तभी रास्ते में गांव के ही नीरज भाटी ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि विरोध करने पर नीरज ने अब्दुल अजीज पर आपत्तिजनक करते हुए दाढ़ी पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। आसपास के लोगों ने उसे काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना। इस दौरान अब्दुल अजीज की टोपी सड़क पर गिर गई। स्थानीय लोगों ने किसी तरह पीड़ित को आरोपी के चंगुल से बचाया और घटना की जानकारी सेक्टर-39 पुलिस को दी। सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारी पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंच गए। हालांकि, पुलिस ने दाढ़ी पकड़ने की बात से इनकार किया है। मामला दो समुदाय का होने के चलते सूचना गांव में आग की तरफ फैल गई। देखते ही देखते सैकड़ों की संख्या में लोग एकत्र हो गए। सोशल मीडिया पर भी यूजर ने कमिश्नरेट पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

3000 करोड़ रुपए दिलवा दीजिए; सुप्रीम कोर्ट पहुंची केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने एक और मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड के लिए 3000 करोड़ रुपए रिलीज नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए सबसे बड़ी अदालत का रुख किया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को स्वीकार कर लिया है और 1 अप्रैल को इस पर सुनवाई होगी। देश की सबसे बड़ी अदालत ने कहा कि 31 मार्च को लैप्स हो जाने के बावजूद उसकी ओर से फंड रिलीज करने का आदेश दिया जा सकता है।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने आप सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी की दलीलों पर गौर किया। सिंघवी ने कहा कि याचिका पर तत्काल सुनवाई की आवश्यकता

है क्योंकि दिल्ली जल बोर्ड को दी जाने वाली धनराशि 31 मार्च को लैप्स हो जाएगी। बेंच में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। बेंच ने कहा कि एक अपैल को याचिका पर सुनवाई होगी।

जब सिंघवी ने इस बात पर जोर दिया कि मामले की सुनवाई 21 मार्च को की जाए तो सीजेआई ने कहा, हम मामले की सुनवाई एक अप्रैल को सूचीबद्ध करेंगे और यदि हम कुछ रोकते हैं, तो निर्णय को पलटा जा सकता है, इसमें कोई समस्या नहीं है। वरिष्ठ वकील ने कहा कि बजट विधिवत पारित किया गया था और फिर भी दिल्ली जल बोर्ड के लिए निर्धारित धनराशि जारी नहीं की जा रही है और इसके परिणामस्वरूप निधि की कमी हो सकती है।

पांच हजार फ्लैट बायर्स को झटका, माहिरा बिल्डर की पांच आवासीय परियोजनाएं रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी।
हरियाणा रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (हरेरा) ने मंगलवार को माहिरा समूह की पांच आवासीय परियोजनाओं का पंजीकरण रद्द कर दिया। आरोप है कि ये समूह अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी के तहत नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग से लाइसेंस लेकर इन परियोजनाओं को पूरा करने में विफल रहा। ऐसे में हरेरा ने निरस्तीकरण का कदम उठाया। माहिरा ग्रुप ने 2017 से लेकर 2020 तक सेक्टर 63ए, 68, 95, 103 और 104 में आवासीय परियोजनाओं के तहत आवेदन आमंत्रित किए थे। इन परियोजनाओं में करीब पांच हजार परिवारों ने फ्लैट बुक करवाए हुए हैं।

14 फरवरी को हरेरा अध्यक्ष अरुण कुमार ने इन परियोजनाओं का निरीक्षण

किया था। सभी पर निर्माण कार्य बंद मिला। जांच में अध्यक्ष को इन परियोजनाओं में हरेरा अधिनियम 2016 के प्रावधानों का उल्लंघन मिला। इसके चलते पंजीकरण को रद्द किया। हरेरा की तरफ से वेबसाइट पर माहिरा समूह का नाम डिफॉल्टर की सूची में डाला जाएगा। अगले आदेश तक इन परियोजनाओं से जुड़े बैंक खाते फ्रीज रहेंगे। जांच में हरेरा ने पाया कि इस बिल्डर ने पांचों परियोजनाओं में फ्लैट खरीदारों की तरफ से जमा करवाई गई राशि को गैरकानूनी तरीके से दूसरी जगह भेज दिया।

इस मामले में माहिरा समूह के प्रबंध निदेशक सिकंदर सिंह छोकर से बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब तक माहिरा समूह की करीब 36 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर चुकी है। जांच में ईडी को सेक्टर 68 स्थित माहिरा होम्स परियोजना में करीब 113 करोड़ रुपये की हेराफेरी मिली है। ईडीसी ने यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की थी। ईडी ने माहिरा ग्रुप के प्रबंध निदेशक सिकंदर छोकर के पिता समालखा से कांग्रेसी विधायक धर्म सिंह छोकर के ठिकानों पर भी छापेमारी की थी।

नौ मई, 2022 को नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने माहिरा समूह की सेक्टर 68 परियोजना का लाइसेंस कैंसल किया था। 9.9 एकड़ की इस परियोजना में बिल्डर ने फर्जी दस्तावेज दिए थे। बैंक गारंटी में छेड़छाड़ की थी। पिछले साल जून माह में इस बिल्डर के सेक्टर 88बी स्थित माहिरा होम्स में फर्जी दस्तावेज का खुलासा हुआ था। आरोप लगा था कि बिल्डर ने नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अधिकारियों के फर्जी हस्ताक्षर करने के बाद नक्शों को जीएमडीए में जमा करवाया है। इस सिलसिले में बिल्डर पर एफआईआर दर्ज करवाई गई थी। इसके अलावा सेक्टर 63ए, 95, 103 और 104 के लाइसेंस दस्तावेज में भी कमियां पाई गई थी। हरेरा के अध्यक्ष अरुण कुमार ने कहा, माहिरा समूह ने इन पांचों परियोजनाओं में खरीदारों से फ्लैट की एवज में वसूली राशि को दूसरी जगह भेज दिया है। आदेश के बावजूद इन परियोजनाओं पर माहिरा समूह निर्माण शुरू नहीं कर रहा था। ऐसे में पंजीकरण रद्द करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था।

13 साल की बच्ची के पेट में था दर्द, अस्पताल में खुला पड़ोसी के पाप का राज

नई दिल्ली, एजेंसी।
गाजियाबाद के मुरादनगर की एक कॉलोनी में कक्षा छह की छात्रा से पड़ोसी तीन माह तक दुष्कर्म करता रहा। पेट में दर्द होने पर जब परिजनों ने बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया तो पता चला वह गर्भवती है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

नगर की कॉलोनी में एक व्यक्ति परिवार के साथ रहते हैं। उनकी पत्नी तीन माह से अपने मायके गई हुई है। उनकी 13 वर्षीय बेटी घर पर अक्सर अकेली रहती है। सोमवार सुबह अचानक उसके पेट में दर्द हुआ। पहले उसे स्थानीय डॉक्टर से दवाई दिलाई गई, लेकिन जब आराम नहीं हुआ तो पिता ने बच्ची को पास के स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। जांच करने पर पता चला कि छात्रा गर्भवती है। यह सुनकर परिजन हक्केबक्के रह गए और पिता बेहोश होकर गिर गए। वहां पर मौजूद लोगों ने उन्हें किसी तरह से सभाला। जब बच्ची से इस बारे में पूछा तो पहले तो वह गुमशुम सी रही। दबाव देने पर वह जोर जोर से रोने लगी। बच्ची ने बताया कि पड़ोस में रहने वाला आदिल अक्सर घर आ जाता था। वह उसके साथ गलत काम करता था। वह तीन माह से दुष्कर्म कर रहा था। विरोध करने पर वह उसके पिता को जान से मारने की धमकी देता था। बच्ची सदमे है और किसी से बात नहीं कर रही है। इसके बाद परिजन बच्ची को लेकर मुरादनगर थाने पहुंचे और तहरीर दी। एसीपी मंसूरी सर्किल नरेश कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।